RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर



"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 258 , सोमवार, 02 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com


डॉ. सुनील कुमार 'चम्पारणी' को मिला 'राष्ट्रीय हिंदी गौरव सम्मान' 03


हेरिटेज वॉक के जरिए नशामुक्त समाज का दिया संदेश 04

सारा अली खान ने की नेपोटिज्म पर बात, बोलीं-नहीं था गॉडफादर... 07

उत्तरकाशी के केदारताल में फंसे 8 लोगों की तलाश जारी

हेलीकॉप्टर से दो बार हवाई सर्वे,अब तक नहीं मिला सुराग

देहरादून/उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र के केदारताल ट्रेक पर हिमस्खलन के बाद फंसे सात ट्रेकर्स और एक गाइड की तलाश जारी है। रविवार को हेलीकॉप्टर के माध्यम से क्षेत्र की दो बार हवाई रेकी की गई, लेकिन लापता लोगों या उनके टेंट का कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिला। अत्यधिक बर्फबारी और दुर्गम परिस्थितियों के कारण रेस्क्यू अभियान में मुश्किलें आ रही हैं। अभियान के लिए एनडीआरएफ की एक अतिरिक्त माउंटेनियरिंग टीम को जरूरी उपकरणों के साथ रवाना किया गया है। केदारताल क्षेत्र में फंसे आठ लोगों की



तलाश के लिए हेलीकॉप्टर से दो बार हवाई सर्वे किया गया। हालांकि, इस दौरान लापता ट्रेकर्स या उनके टेंट की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। अधिकारियों के अनुसार, इलाके में जगह-जगह हिमस्खलन होने के कारण पैदल रेस्क्यू करना मुश्किल है।

अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस को दिया राष्ट्रपति ध्वज

- बोले-जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया,देशभर में कायम की मिसाल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस के 60वें स्थापना दिवस समारोह में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने चंडीगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति ध्वज प्रदान किया। शाह ने चंडीगढ़ पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि उसने अपनी जिम्मेदारियां बेहद अच्छे तरीके से निभाई हैं। चंडीगढ़ ने देशभर की पुलिस के लिए एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि 1966 से चंडीगढ़ पुलिस शहर की सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है और उसने देश में पुलिस व्यवस्था के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय लिखा है। अमित शाह ने कहा कि मेरा मानना है कि इन 60 वर्ष में उत्तरी क्षेत्र के केंद्र के रूप में चंडीगढ़ ने पूरे



भारत की सुरक्षा में योगदान देने का सफल प्रयास किया है। अमित शाह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चंडीगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति निशान से अलंकृत किया जाना छह दशकों की सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता का सम्मान है। इस अवसर पर चंडीगढ़ पुलिस के सभी वीर शहीदों को नमन करता हूं। कर्तव्यपालन के लिए अपने प्राणों का बलिदान देना पूरे पुलिस बल के लिए गर्व की बात है। 1966 से आज तक चंडीगढ़ पुलिस ने अथक प्रयासों से देश के पुलिस बलों के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय लिखने का काम किया है। इसके लिए चंडीगढ़ पुलिस के सभी जवानों को हार्दिक शुभकामनाएं।

चंडीगढ़ पुलिस के बेड़े में 141 नए वाहन शामिल

गृह मंत्री ने कहा किघटनाओं पर त्वरित कार्रवाई और प्रभावी रिस्पॉन्स टाइम के मामले में चंडीगढ़ पुलिस आज देश में दूसरे स्थान पर है। आज 141 नए वाहनों के चंडीगढ़ पुलिस के बेड़े में शामिल होने से उसकी कार्यक्षमता और आपातकालीन सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इन आधुनिक संसाधनों के बल पर चंडीगढ़ पुलिस रिस्पॉन्स टाइम के मामले में देश में प्रथम स्थान हासिल करेगी।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में मैतेई समुदाय की रैली,नगा संगठनों का समर्थन

- सरकार के खिलाफ नारेबाजी कुकी उग्रवादियों के साथ हुआ समझौता रद्द करने की मांग

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर की राजधानी इम्फाल में शनिवार को मैतेई संगठनों ने रैली निकाली। इसमें स्थानीय लोगों की सुरक्षा और कुकी उग्रवादी समूहों के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन समझौता रद्द करने की मांग की गई। रैली को कई नगा संगठनों का समर्थन मिला। चंदेल और सेनापति जिलों में भी नगा संगठनों ने रैलियां निकाली। मणिपुर में मई 2023 से



जातीय हिंसा जारी है। यह रैली मणिपुर इंटीग्रिटी के कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ने आयोजित की थी। नगा संगठनों की शीर्ष संस्था यूनाइटेड नगा काउंसिल ने भी रैली का समर्थन किया। प्रदर्शनकारियों ने 'सेव मणिपुर' लिखे पोस्टर और तख्तियां ले रखी थीं। इनमें 'हमें शांति और न्याय चाहिए' और 'उग्रवादी समझौता रद्द करो' जैसी मांगें लिखी थीं। कमेटी के संयोजक वाई धीरें ने कहा, हम राज्य के स्थानीय लोगों की जान और संपत्ति की सुरक्षा में नाकाम मौजूदा सरकार का इस्तीफा चाहते हैं। एक प्रदर्शनकारी ने कहा,मणिपुर में साढ़े तीन साल के संकट के बाद नगा जनजातियां, मैतेई और मूल निवासी सरकार के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं।

उज्जैन में बड़ा हादसा जहरीली गैस से 4 की मौत

- चैंबर देखने एक उतरा था,उसे बचाने में तीन और मारे गए; गेट काटकर निकाला

भोपाल (एजेंसी)। देवास रोड स्थित श्री गंगा रेस्टोरेंट में फूड वेस्ट टैंक की सफाई के दौरान चार कर्मचारियों की मौत के मामले में रविवार को पुलिस और प्रशासन ने जांच तेज कर दी। सुबह फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची और चैंबर का बारीकी से निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। वहीं, चारों मृतकों के शवों का जिला



अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि सफाई के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 10.30 बजे रेस्टोरेंट के फूड वेस्ट टैंक में जाम होने के कारण सफाई का काम किया जा रहा था। इसी दौरान एक कर्मचारी चैंबर के भीतर फंस गया। उसे बचाने के लिए एक-एक कर तीन अन्य लोग भी अंदर उतरे, लेकिन जहरीली गैस और दम घुटने की स्थिति के कारण चारों बाहर नहीं निकल सके।

एक तरफ इंडिया की रैली,दूसरी ओर बीजेपी का मार्च

दिल्ली में पक्ष और विपक्ष दोनों ने दिखाई अपनी-अपनी ताकत

मेरी बात सच होगी, ज्ञानेश कुमार जेल ही जाएंगे

सीईसी के खिलाफ 19 विपक्षी पार्टियों की रैली



नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रविवार को रामलीला मैदान में कहा,मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी करवाई है, उन्हें जेल जाना होगा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वे पाताल में भी चले जाएं, उन्हें खोजकर लाएंगे। उन्हें छोड़ेंगे नहीं। अखिलेश यादव ने यूपी का जिक्र कर कहा कि जो लोग कभी यूपी से आए थे, वो यूपी से ही जाएंगे। यूपी वाले स्वागत अच्छा करते हैं तो विदाई भी अच्छी करते हैं। 2027 में विदाई तय है। इंडिया ब्लॉक ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर के विरोध में पहले मार्च और फिर रैली की।

ज्ञानेश कुमार छोड़ेंगे नहीं,मोदी को जाना ही होगा

दिल्ली के रामलीला मैदान में एसआईआर के विरोध में इंडिया ब्लॉक की रैली जारी है। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पाताल में क्यों न चले जाएं, हम उन्हें वहां से भी खोज लाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी आज लोगों में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं, वे खुद वोट चुन रहे हैं। उनको वोट कौन देगा वे वोटर्स चुनते हैं।

राहुल गांधी ने कहा- हमें नफरत नहीं, मोहब्बत फैलानी है

राहुल गांधी ने कहा, ज्ञानेश कुमार रात को सो नहीं पाता। वो डर रहा है, उसने सबसे बड़ा क्राइम किया है। देश की आवाज को बंद करने की कोशिश की, उसका गला घोंटा है। उन्होंने कहा, न तो मोदी, न ही शाह, वो भी सो नहीं पा रहे। हम दुश्मनी वाले लोग नहीं है। हमें नफरत नहीं, मोहब्बत फैलानी है। ये प्रोटेस्ट किसी एक पार्टी, एक नेता का नहीं है। ये देश का प्रोटेस्ट है। देश की आवाज है, संविधान को बचाने की आवाज है। राहुल गांधी ने कहा, मैं आपको बताता हूं कि मोदी कहीं नहीं जा सकते, जाना भी चाहें तो हम कहीं नहीं जाने देंगे। ज्ञानेश कुमार के बाद हम आपके सामने खड़े होने जा रहे।

विपक्ष की रैली के खिलाफ भाजपा का मार्च

नड्डा बोले-आज के दिन ही सिखों का नरसंहार हुआ था

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने दिल्ली समेत देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला। दिल्ली में हरि नगर से तिलक नगर तक करीब एक किमी लंबा मार्च निकाला गया। इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार और सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने रामलीला मैदान में एसआईआर के खिलाफ रैली के लिए 1



नवंबर का दिन जानबूझकर चुना है। 1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा हुई थी। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा के रोहतक में रैली निकाली। उन्होंने कहा कि वोट चोरी कांग्रेस की विरासत है। ये वोट चोरी भी करते हैं और जनता के वोट का अपमान भी करते हैं। राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों को याद करना चाहिए था लेकिन राहुल गांधी उन्हें भूलकर रामलीला मैदान में अपनी राजनीति चमका रहे हैं।

राहुल विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे

नितिन नवीन ने कहा– राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। वे विदेशी ताकतों के इशारे पर देश के लोकतंत्र को चुनौती देना चाहते हैं। देश की 140 करोड़ जनता देख रही है, उसे मालूम है कि ये कौन लोग हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने विदेशों में अराजकता फैलाई। कांग्रेस के लोग कहते हैं कि सत्ता बदल देंगे। अरे ये जनता के वोट से बनी सरकार है, इसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। नितिन नवीन ने कहा कि राहुल गांधी को देश की 140 करोड़ जनता पर विश्वास नहीं है, उन्हें 3 करोड़ घुसपैठियों पर विश्वास है।

पंजाब में एएपी को झटका 2 एमएलए ने पार्टी छोड़ी

दोनों एएपी एमएलए बीजेपी में हो सकते हैं शामिल

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद 2 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। इनमें पटियाला के समाना से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। दोनों एमएलए बीजेपी में शामिल हो सकते हैं।



उन्होंने पार्टी छोड़ने की वजह बताने के लिए चंडीगढ़ में साढ़े 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। जौड़ामाजरा एएपी सरकार में मंत्री रह चुके हैं लेकिन कुछ समय पहले पार्टी ने पूर्व अकाली नेता सुरजीत सिंह रखड़ा को उनकी जगह पर समाना विधानसभा सीट का हलका इंचार्ज बना दिया था। वहीं, हरमीत सिंह पठानमाजरा पर रेप का केस दर्ज हुआ था। जिसके बाद वे ऑस्ट्रेलिया फरार हो गए थे। जांच में शामिल होने के लिए लौटने पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। एएपी के पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा ने कहा कि अब भाजपा निष्कासित लोगों को इकट्ठा कर रही है, क्योंकि उसके पास न तो अपना कोई जनाधार है और न ही उसे पंजाब के हितों की कोई परवाह है।

अब आजम खान के परिवार पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

रामपुर (एजेंसी)। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में सपा नेता आजम खां को गिरफ्तार किया है। उन पर जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में 400 करोड़ से ज्यादा ब्लैक मनी और 80 करोड़ से अधिक सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप है। इसी प्रकरण में आजम के साथ जौहर ट्रस्ट को भी नामजद किया गया है जिसमें उनकी पत्नी, दोनों बेटे और बहन आदि भी शामिल हैं। यही वजह है कि ईडी की कार्रवाई आगे बढ़ने पर आजम के स्वजन भी मुसीबत में फंस सकते हैं। ईडी की ओर से 13 अक्टूबर को अजीम नगर थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में नामजद जौहर ट्रस्ट के जरिए ही जौहर विश्वविद्यालय का निर्माण कराया गया है। निजी विश्वविद्यालय में सरकारी धन का उपयोग हो या फर्जी फर्मों से चंदा लेने की बात, सब कुछ इसी ट्रस्ट के जरिये किया गया है। ऐसे में ट्रस्ट में शामिल सभी सदस्यों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है। आजम खां ने 1990



में मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट गठित किया था। वह खुद ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष बने थे जबकि, पत्नी तजीन फातिमा सचिव, बहन निकहत अफलाक कोषाध्यक्ष और दोनों बेटे अदीब व अब्दुल्ला को सदस्य बनाया था। इनके अलावा मुश्ताक अहमद सिद्दीकी उपाध्यक्ष, चमरौवा के सपा विधायक नसीर अहमद खां संयुक्त सचिव और सलीम कासिम को सदस्य के रूप में रखा गया था। यानिकि ट्रस्ट के कुल नौ लोगों में 5 लोग आजम के घर के ही शामिल थे। ईडी का आरोप है कि शेष चार लोग डमी के रूप में ही ट्रस्ट में शामिल किए गए थे। आजम खां और अब्दुल्ला कई मामलों में अभियुक्त बनाए गए हैं। आजम के खिलाफ अब तक न्यायालय से 16 मामलों में सुनाए गए फैसलों में वह आठ में बरी हो गए जबकि, आठ में उन्हें सजा हुई है। दो पैन कार्ड के मामले में शनिवार को आजम के बेटे अब्दुल्ला जेल से बाहर आ गए हैं।

12 साल में 49 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले

- पीएम मोदी बोले-देश में आर्थिक असमानता भी घटी
- कहा-छह साल में रोजगार के 13.4 करोड़ मौके बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने कहा कि 2011 से 2023 के बीच भारत में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। इस दौरान देश में अत्यधिक गरीबी की दर 90 फीसदी तक कम हुई। मोदी ने वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि पक्का संकल्प है। मोदी ने यह भी कहा कि पिछले 6 साल में रोजगार के 13.4 करोड़ नए अवसर बने हैं। यह



संख्या कामकाजी उम्र की आबादी में हुई बढ़ोतरी से करीब दोगुनी है। उन्होंने देश में आर्थिक असमानता कम होने की बात भी कही। प्रधानमंत्री ने ये आंकड़े एक पोस्ट के जरिए साझा किए।

गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ एक नारा नहीं

वर्ल्ड बैंक ने अक्टूबर में इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ नाम से रिपोर्ट जारी की थी। इसके मुताबिक, भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011 में 27.1 फीसदी थी, जो 2023 में घटकर 2.6 फीसदी रह गई। मोदी ने कहा कि वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत में दुनिया में सबसे तेजी से गरीबी कम हुई है। उन्होंने आर्थिक असमानता मापने वाले गिनी इंडेक्स का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, इसमें 20 से ज्यादा की गिरावट आई है और यह घटकर 23.0 पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के अनुसार, रोजाना करीब 400 रुपए (4.20 डॉलर) से कम कमाने वाले लोगों की आबादी 57.7 से घटकर 16.1 फीसदी रह गई है।

3 वजहः खपत की मात्रा बढ़ी महिलाओं को मिला रोजगार

आम लोगों की कमाई और खर्च करने की क्षमता में सुधार हुआ है। 2017 से 2023 के बीच करीब 13.4 करोड़ नए रोजगार के अवसर बने। इनमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा रही। कई महिलाएं पहली बार कमाई वाले कामों से जुड़ीं। मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में पैसे भेजने जैसी योजनाओं से गरीब परिवारों को सहारा मिला। गरीबी में कमी सिर्फ कमाई तक सीमित नहीं रही। लोगों के रहन-सहन और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में भी सुधार हुआ है। अब पहले के मुकाबले ज्यादा लोगों के पास पक्के मकान, बिजली, साफ पानी, शौचालय और रसोई गैस जैसी सुविधाएं हैं। ऑक्सफोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, 2005-06 में देश की 53.8 फीसदी आबादी इन बुनियादी सुविधाओं से वंचित थी। 2019-21 तक यह आंकड़ा घटकर 16.4 फीसदी रह गया। वहीं, वर्ल्ड बैंक के पैमाने के अनुसार गरीबी घटकर 15.5 फीसदी रह गई।

बंगाल की खाड़ी में फिर नया चक्रवात

- 3 नवंबर को आंध्र के तट से टकराएगा मुरासु

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव का क्षेत्र मुरासु नाम के चक्रवात में बदल गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह 3 नवंबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किमी प्रति घंटे और झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटे तक



पहुंचने का अनुमान है। एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी में यह दूसरा चक्रवाती तूफान है। इससे पहले 26 अक्टूबर को चक्रवात 'अर्नब' उठा था। यह 28 अक्टूबर को आंध्र के तट से टकराया था।

राजस्थान में दिन गर्म, रात में सर्दी तेज

राजस्थान में बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात का असर शनिवार से खत्म हो गया। अब अगले 3-4 दिन तक आसमान साफ रहने की संभावना है। इससे पहले शनिवार को मौसम साफ रहा। हालांकि, सुबह के समय कई जिलों में हल्का कोहरा रहा। जयपुर, कोटा समेत कई शहरों में अधिकतम तापमान में 2 से 5 डिग्री तक बढ़ोतरी हुई।

संक्षिप्त समाचार

राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय के 11 सिविल इंजीनियरिंग विद्यार्थियों का चयन

हाजीपुर। वैशाली के राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय (GEC) के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के 11 विद्यार्थियों का Ecospace Infrastructures में चयन हुआ है। सभी ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर काम करेंगे। ये विद्यार्थी 2023-27 बैच के हैं। चयनित विद्यार्थियों में रवि रंजन, सूरज राज, प्रियंका कुमारी, अभिमन्यु कुमार, शिवम राज, रितु राज, अभिजीत नारायण, प्रेम कुमार, राम अकबल, रवि राज और शुभम सुधांशु शामिल हैं। कंपनी में काम के दौरान विद्यार्थियों को निर्माण और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तकनीकी ज्ञान का इस्तेमाल करने और पेशेवर अनुभव हासिल करने का अवसर मिलेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह प्लेसमेंट संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यार्थियों के लगातार प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के साथ उद्योगों की जरूरतों के लिए तैयार करना भी है। प्लेसमेंट प्रक्रिया डीन ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट डॉ. शिवांगी सक्सेना के मार्गदर्शन में चल रही है। इसमें टीपीओ कोऑर्डिनेटर प्रो. अभिषेक कुमार, प्रो. राहुल कुमार, प्रो. धर्मेंद्र कुमार और प्रो. प्रियंका झा ने भी भूमिका निभाई। महाविद्यालय परिवार ने चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।



पुलिस ने साइबर ठगी के 72 हजार रुपए लौटाए, फर्जी लिंक के जरिए निकली थी रकम

हाजीपुर। हाजीपुर में वैशाली पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में 72 हजार रुपए पीड़ित के खाते में वापस कराए। ठगों ने फर्जी लिंक भेजकर महनार थाना क्षेत्र के राजीव कुमार के पिता के बैंक खाते से रकम निकाली थी। पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बैंक और तकनीकी माध्यमों से संपर्क कर रकम वापस कराने की कोशिश की। इसके बाद पूरी राशि खाते में लौटा दी गई। इस मामले में साइबर थाना कांड संख्या 54/26 दर्ज किया गया था। 31 अक्टूबर को साइबर थाने में पीड़ित को रकम लौटाए जाने की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में वापसी से जुड़ा चेक भी सौंपा गया। वैशाली पुलिस ने लोगों से अनजान व्यक्ति के भेजे लिंक पर क्लिक नहीं करने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि बैंक खाते से जुड़ी गोपनीय जानकारी, ओटीपी और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। साइबर ठगी होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर रकम वापस कराने की कोशिश की जा सके।



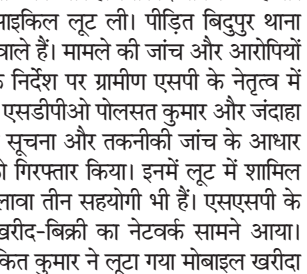
बाइक सवार से लूट के मामले में 6 अरेस्ट, चार लूटकांडों में संलिप्तता का पुलिस का दावा



हाजीपुर। वैशाली के जंदाहा थाना क्षेत्र में बाइक सवार से नकदी, मोबाइल और मोटरसाइकिल लूटने के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से लूटा गया मोबाइल, एक मोटरसाइकिल, सात अन्य मोबाइल और 8,650 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में चार लूटकांडों का खुलासा हुआ है। हालांकि, गिरोह का मास्टरमाइंड अभी फरार है। एसएसपी शुभांक मिश्रा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 19 अक्टूबर को जंदाहा थाना क्षेत्र में नरहरपुर से लक्ष्मणपुर जाने के दौरान नीम ओवरब्रिज के पास तीन बाइक सवार बदमाशों ने मुस्लिम खलीफा को रोक लिया। बदमाशों ने उनके साथ मारपीट की और हथियार दिखाकर 65 हजार रुपये नकद, मोबाइल और मोटरसाइकिल लूट ली। पीड़ित बिदुपुर थाना क्षेत्र के चक सिकंदर गांव के रहने वाले हैं। मामले की जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी के निर्देश पर ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। इसमें महुआ एसडीपीओ पोलसत कुमार और जंदाहा थाना पुलिस शामिल थी। पुलिस ने सूचना और तकनीकी जांच के आधार पर छापेमारी कर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें लूट में शामिल बताए जा रहे तीन बदमाशों के अलावा तीन सहयोगी भी हैं। एसएसपी के मुताबिक, जांच में मोबाइल की खरीद-बिक्री का नेटवर्क सामने आया। पुलिस का कहना है कि आरोपी अंकित कुमार ने लूटा गया मोबाइल खरीदा था। बाद में उसने इसे दीपक कुमार को 2,500 रुपये में बेच दिया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में पता चला कि बदमाश लूट के बाद मोबाइल दुकानदार को बेचते थे और दुकानदार उसे कम कीमत पर दूसरे ग्राहकों को बेच देता था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार जितेंद्र कुमार उर्फ गीदड़ ने पूछताछ में साथियों के साथ चार अन्य लूट की घटनाओं में शामिल होने की बात स्वीकार की है। इनमें 28 अक्टूबर को महुआ में व्यवसायी से 1.5 लाख रुपये और बाइक की लूट, 7 अक्टूबर को पातेपुर में 80 हजार रुपये की लूट तथा 10 और 19 अगस्त को राजापाकर में क्रमशः 30 हजार और 22 हजार रुपये व मोबाइल लूटने की घटनाएं शामिल हैं। इन मामलों में महुआ थाना कांड संख्या 1202/26, पातेपुर थाना कांड संख्या 474/26 और राजापाकर थाना कांड संख्या 362/26 व 371/26 दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जितेंद्र कुमार उर्फ गीदड़, राजू सहनी, चंदन कुमार, अंकित कुमार, सुभाष कुमार और दीपक कुमार के रूप में हुई है।

तेज रफ्तार गाड़ी ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत, नौबतपुर नहर रोड में हुआ हादसा

पटना। पटना के नौबतपुर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए पटना एम्स में भर्ती कराया गया, जहां एक युवक की मौत हो गई। दूसरे युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतक की पहचान मोहनीपोखर निवासी साहिल कुमार (23) के रूप में हुई है। वहीं, घायल युवक रणजीत कुमार (24) हैं। उनका पटना एम्स में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, साहिल और रणजीत एक ही बाइक से नौबतपुर नहर रोड से गुजर रहे थे। इसी दौरान अजयनगर बालापर के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद राहगीरों ने पास में तैनात ट्रैफिक पुलिस को सूचना दी। पुलिस स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को नौबतपुर रेफरल अस्पताल ले गई। वहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को पटना एम्स रेफर कर दिया गया। एम्स में इलाज के दौरान साहिल ने दम तोड़ दिया, जबकि रणजीत का उपचार जारी है।



अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिसः नौबतपुर थानाध्यक्ष नंदन कुमार सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना परिजनों को दे दी गई है। दुर्घटना में शामिल अज्ञात वाहन की पहचान करने और उसकी तलाश के लिए कार्रवाई की जा रही है। साहिल के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ब्राह्मण समाज का मौन संकल्प पदयात्रा सप्तमूर्ति चौक तक निकाला मार्च

एजेंसी, पटना



- राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन, ब्राह्मण कल्याण बोर्ड समेत 7 मांगें रखीं

ब्राह्मण समाज को आबादी के अनुपात में अधिकार और उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग को लेकर आज रविवार (1 नवंबर) को पटना में मौन संकल्प पदयात्रा निकाली गई। लोकमंच के आह्वान पर आयोजित इस पदयात्रा में शामिल होने के लिए ब्राह्मण समाज के लोग मिलर ग्राउंड में जुटे थे। यहां से सभी लोग मौन संकल्प के साथ पदयात्रा निकाले कर सप्तमूर्ती चौराहा पहुंचे। यहां मूर्तियों पर माल्यार्पण किया। लोकमंच के संस्थापक एवं अध्यक्ष आशीष कुमार उर्फ बब्बू झा का कहना है कि संगठन वर्ष 2004 से सामाजिक गोलबंदी और समाज को संगठित करने के लिए लगातार काम कर रहा है। यह पदयात्रा किसी के विरोध में नहीं निकाली गई, बल्कि समाज से जुड़े मुद्दों को सरकार तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए संवाद स्थापित करने का लोकतांत्रिक प्रयास है। हमारा मौन ही हमारा संकल्प है।

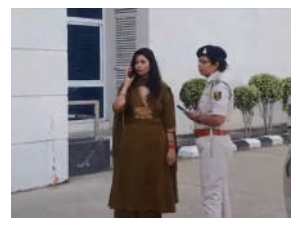
ब्राह्मण कल्याण बोर्ड बनाने समेत 7 प्रमुख मांगेंः लोकमंच ने राज्य सरकार के सामने ब्राह्मण समाज से जुड़ी सात प्रमुख मांगें रखी हैं। संगठन की मांग है कि बिहार में ब्राह्मण कल्याण बोर्ड का गठन किया जाए। इसके साथ ही समाज की आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक स्थिति का सर्वे कराकर सरकार श्वेतपत्र जारी करे, ताकि समाज की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। संगठन भगवान परशुराम की जयंती यानी अक्षय तृतीया के अवसर पर बिहार में सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की भी मांग कर रहा है।

EWS अभ्यर्थियों को उम्र और परीक्षा में छूट देने की मांगः लोकमंच की मांग है कि UPSC और BPSC की परीक्षाओं में EWS वर्ग के अभ्यर्थियों को भी दूसरी आरक्षित श्रेणियों की तरह उम्र सीमा और परीक्षा में शामिल होने के अवसरों में छूट दी जाए। इसके अलावा नवोदय विद्यालय और केंद्रीय विद्यालयों में EWS श्रेणी के बच्चों के नामांकन के लिए विशेष व्यवस्था करने की मांग की गई। संगठन का कहना है कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मुफ्त कोचिंग की सुविधा मिलनी चाहिए, ताकि आर्थिक स्थिति उनकी पढ़ाई और भविष्य के रास्ते में बाधा न बने।

1506 एकड़ जमीन को कब्जे से मुक्त कराने की मांगः लोकमंच ने वर्ष 1990 से दबंगों के कब्जे में बताई जा रही करीब 1506 एकड़ रैयती जमीन को भी खाली कराने की मांग उठाई है। संगठन का कहना है कि इस जमीन को उसके वास्तविक हकदारों को वापस दिलाने के लिए सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। पदयात्रा के जरिए संगठन इन सभी मांगों को राज्यपाल तक पहुंचाकर सरकार का ध्यान ब्राह्मण समाज से जुड़े मुद्दों की ओर आकर्षित करना चाहता है।

सीएम हाउस के पास धरने पर बैठीं आईपीएस की पत्नी

एजेंसी, पटना



खगड़िया SP भानु प्रताप सिंह और उनकी पत्नी पूजा सिंह के बीच चल रहा पारिवारिक विवाद अब सीएम हाउस तक पहुंच गया है। पूजा सिंह अपनी 6 साल की बेटी और पति के साथ दोबारा घर बसाने की मांग को लेकर रविवार को सीएम हाउस के पास धरने पर बैठ गईं।

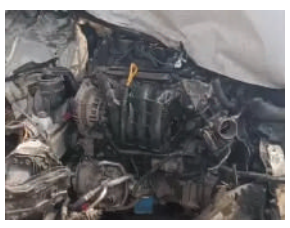
उनके धरना पर बैठते ही प्रशासनिक महकमे में हलचल मच गई। पटना पुलिस की महिला टीम मौके पर पहुंची और उन्हें समझाकर अपने साथ ले गई। पूजा सिंह को एसडीएम (सदर) कार्यालय ले जाया गया, जहां प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ करीब दो घंटे तक बातचीत हुई।

आज पटना आएंगे IPS भानू प्रतापः जिला प्रशासन के साथ हुई बैठक के बाद पूजा सिंह ने बताया कि अधिकारियों ने खगड़िया एसपी भानु प्रताप सिंह बात की और उन्होंने 2 नवंबर यानी सोमवार को बेटी के साथ पटना बुलाया है। फिर हम दोनों को सीनियर अधिकारियों की मौजूदगी में आमने-सामने बातचीत कराई जाएगी। प्रशासन की कोशिश इस पारिवारिक विवाद को बातचीत के जरिए सुलझाने की है। धरना खत्म कराने के बाद पूजा सिंह की सदर एसडीएम ऑफिस में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक हुई। करीब दो घंटे तक चली बैठक में पूजा ने पारिवारिक विवाद की विस्तृति जानकारी दी। पूजा सिंह ने बताया कि अधिकारियों ने हमारी बातों को सुनी है और मामले को सुलझाने का भरोसा दिया है। पूजा सिंह के मुताबिक, कल होने वाली बैठक में डीजीपी मौजूद रहेंगे। उनकी मौजूदगी में हम दोनों को आमने-सामने बैठाकर बातचीत कराई जाएगी। पूजा सिंह ने कहा कि वह अपने पति से अलग नहीं होना चाहती हैं। न ही उनका मकसद किसी तरह का कानूनी विवाद खड़ा करना है। वह चाहती हैं कि उनका परिवार फिर से एक हो जाए। उनका कहना है कि हम अपनी बेटी और पति के साथ दोबारा घर बसाना चाहते हैं।

अटल पथ पर तेज रफ्तार कार का भीषण हादसा

डिवाइडर से टकराकर हवा में उछली गाड़ी, दो युवक मौके से फरार

एजेंसी, पटना



पटना के अटल पथ पर महेशनगर के पास तेज रफ्तार और कथित रफ ड्राइविंग के दौरान भीषण सड़क हादसा हो गया। एक अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराने के बाद हवा में उछलकर सड़क की दूसरी तरफ जा पहुंची। हादसे के दौरान टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार का रजिस्ट्रेशन नंबर BR 03 AA 8500 बताया जा रहा है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। चश्मदीद गौरव के मुताबिक, कार दीघा की ओर से काफी तेज रफ्तार में आ रही थी। उन्होंने गाड़ी की गति करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे होने का दावा किया। इसी दौरान ड्राइवर ने कार पर से नियंत्रण खो दिया। कार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर उछलकर सड़क के दूसरी तरफ जा पहुंची। टक्कर से गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय कार में दो युवक सवार थे। दुर्घटना के बाद दोनों मौके से फरार हो गए। कुछ देर बाद दोनों युवकों का एक परिचित घटनास्थल पर पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वह कार के पीछे लगी नंबर प्लेट तोड़ते हुए कैमरे में कैद हुआ। नंबर प्लेट तोड़े जाने की घटना के बाद हादसे को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, युवकों के फरार होने और नंबर प्लेट तोड़े जाने के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। गांधी मैदान थाने की पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को टो करके सड़क से हटवा दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पटना में डेंगू से तीसरी मौत, पीएमसीएच में तोड़ा दम

एजेंसी, पटना



- पिता ने प्रशासन पर उठाए सवाल, मोहल्ले में फॉगिंग-एंटी लार्वा छिड़काव नहीं होने के आरोप

पटना में डेंगू से तीसरी मौत का मामला सामने आया है। बुद्ध मार्ग स्थित कमला नेहरू नगर निवासी 23 वर्षीय मंजीत कुमार की PMCH में इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, वह करीब एक महीने से बुखार से पीड़ित था। शुक्रवार को तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि प्लेटलेट्स लगातार गिरने के बाद उसकी हालत गंभीर हो गई थी। हालांकि, मौत की वजह डेंगू ही थी, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

पिता बोले- घर के पीछे बड़ा नाला, चारों ओर गंदगीः मंजीत के पिता मनोज कपाड़िया ने मोहल्ले की सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए नगर निगम और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदार ठहराया। उनका कहना है कि मंजीत का निजी डॉक्टर की सलाह पर इलाज चल रहा था और घर पर भी उसका उपचार कराया जा रहा था। मनोज कपाड़िया के अनुसार, इलाके में लंबे समय से नियमित सफाई नहीं हुई है। घर के पीछे बड़ा नाला है, जिसमें गंदगी जमा रहती है। आसपास कचरे का ढेर लगा रहता है। इससे बदबू फैलती है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार नगर निगम और वार्ड पार्षद से सफाई की शिकायत की गई, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनके मुताबिक, मोहल्ले में नियमित रूप से सफाई कर्मचारी नहीं आते। फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव भी समय पर नहीं कराया जाता है।

स्थानीय लोगों का दावा- इलाके में डेंगू से दूसरी मौतः स्थानीय लोगों का दावा है कि कमला नेहरू नगर में डेंगू से यह दूसरी मौत है। इससे पहले 10 सितंबर को 28 वर्षीय मोहम्मद खुशियाल की मौत हुई थी। हालांकि, इन मौतों के डेंगू से जुड़े होने की आधिकारिक पुष्टि संबंधित जांच रिपोर्ट के आधार पर ही हो सकेगी। लोगों के अनुसार, बरसात के दिनों में स्थिति और खराब हो जाती है। गलियों से लेकर शौचालयों के आसपास तक गंदगी फैली रहती है। जमा पानी और कचरे के कारण मच्छरों की संख्या बढ़ जाती है। लोगों का कहना है कि बदबू और मच्छरों के बीच रहना मुश्किल हो गया है।

मौत की वजह की जांच होगीः मंजीत की मौत डेंगू से होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित अधिकारी के मुताबिक, मामले की जांच कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

पटना में 537 के पार पहुंचे डेंगू के मरीजः राजधानी में डेंगू संक्रमित मरीजों की संख्या 537 के पार पहुंच गई है। पिछले 24 घंटे में पांच नए मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। जिला डेंगू-मलेरिया पदाधिकारी सुभाष प्रसाद ने इसकी जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, सितंबर से नवंबर तक का समय डेंगू के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। बारिश के बाद जगह-जगह जमा पानी में मच्छरों के पनपने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। डेंगू के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी बढ़ाने की बात कही है। विभाग के मुताबिक, अलग-अलग इलाकों में टीमें तैनात हैं। बुखार से पीड़ित लोगों की पहचान के लिए फीवर सर्वे कराया जा रहा है और संदिग्ध मरीजों की जांच की जा रही है। विभाग का दावा है कि जिन इलाकों में डेंगू के मरीज मिल रहे हैं, वहां फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है। लोगों को बीमारी से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

प्रधानाध्यापिका के खिलाफ डीईओ से शिकायत

एजेंसी, हाजीपुर



वैशाली के राजकीयकृत श्री रामनंदन सरस्वती विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिदुपुर में शिक्षकों और प्रधानाध्यापिका के बीच विवाद गहरा गया है। विद्यालय के 17 शिक्षकों ने प्रधानाध्यापिका नीलम सिंह के खिलाफ जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) से शिकायत की है। शिक्षकों ने उन पर अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने, मनमाने ढंग से विद्यालय चलाने और वित्तीय पारदर्शिता नहीं रखने का आरोप लगाया है। वहीं, प्रधानाध्यापिका ने इन आरोपों को खारिज करते हुए 13 विशिष्ट शिक्षकों पर गुटबाजी करने और पठन-पाठन में सहयोग नहीं देने का आरोप लगाया है। शिकायत करने वाले शिक्षकों में जूली कुमारी, प्रिया कुमारी, ज्योति कुमारी, राहुल कुमार, धर्मेंद्र कुमार, रामकृष्ण सिंह और अनुपमा कुमारी समेत अन्य शामिल हैं। शिक्षकों का आरोप है कि प्रधानाध्यापिका कुछ चुनिंदा शिक्षकों के साथ मिलकर विद्यालय की व्यवस्था संचालित करती हैं। इससे अन्य शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सीसीटीवी खर्च का हिसाब सार्वजनिक करने की मांगः शिकायतकर्ता शिक्षकों ने विद्यालय में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों और उनके रखरखाव पर खर्च की गई राशि की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि विद्यालय में वित्तीय लेन-देन को लेकर पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। शिक्षकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग डीईओ से की है।

शिक्षक सदन को 150 मीटर दूर शिफ्ट करने पर विवादः शिक्षकों ने शिक्षक सदन को विद्यालय कार्यालय के बगल से हटाकर परिसर के एक कोने में करीब 150 मीटर दूर शिफ्ट करने पर भी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि पहले शिक्षक सदन कार्यालय के पास था, जिससे शिक्षकों को सहूलियत होती थी। अब जिस कमरे में शिक्षक सदन बनाया गया है, वहां बिजली, पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं।

जांच टीम को भी मिली थीं कई कमियांः विद्यालय की व्यवस्था की जांच करने पहुंची जिला स्तरीय टीम ने भी कई कमियां और अनियमितताएं पाई थीं। इसके बाद प्रधानाध्यापिका से स्पष्टीकरण मांगा गया था। साथ ही आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को पत्र भी लिखा गया था। शुक्रवार को डीईओ कार्यालय में दोनों पक्षों के शिक्षकों को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया था। हालांकि, शिकायतकर्ता शिक्षकों का कहना है कि शिकायत और जांच के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

इधर, प्रधानाध्यापिका नीलम सिंह ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि विद्यालय में कुल 34 शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें 13 विशिष्ट शिक्षक हैं। विशिष्ट शिक्षक का दर्जा मिलने के बाद से ही इन शिक्षकों के बीच गुटबाजी शुरू हो गई है। उनका आरोप है कि ये शिक्षक विद्यालय की व्यवस्था को प्रभावित करते हैं और पढ़ाई में अपेक्षित सहयोग नहीं देते हैं।

निर्दलीय एमएलसी के भाजपा में शामिल होने पर राजद हमलावर

एजेंसी, पटना



राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने बिहार विधान परिषद के हालिया चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीतने वाले दो विधान पार्षदों के भाजपा में शामिल होने पर सवाल उठाए हैं। रविवार को RJD कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्यसभा सांसद मनोज झा ने दोनों नवनिर्वाचित विधान पार्षदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा कि निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीतने के बाद किसी राजनीतिक दल की सदस्यता लेना संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत दल-बदल कानून का उल्लंघन है।

मनोज झा ने कहा कि हम बिहार विधान परिषद के सभापति से मांग करेंगे कि दोनों नवनिर्वाचित विधान पार्षदों को अयोग्य घोषित किया जाए। इस मामले में चुनाव आयोग और सभापति के पास शिकायत भी दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सभापति इस मामले में कोई फैसला नहीं लेते हैं तो बहुत बड़ा बवाल होगा। फिर सभापति इसे संभाल नहीं पाएंगे।

दरअसल, विधान परिषद चुनाव में तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से बंशीधर ब्रजवासी और सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. राहुल राज निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीते हैं। चुनाव जीतने के बाद दोनों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली।

अनंत सिंह की बेटी की शादी की तैयारी शुरू

एजेंसी, पटना



दुलारचंद यादव हत्याकांड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मोकामा विधायक अनंत सिंह को 1 दिसंबर 2026 तक सरेंडर करने का आदेश दिया है। जेल जाने से पहले अनंत सिंह अपनी बेटी की शादी धूमधाम से करेंगे। उनकी दूसरी बेटी शिवांगी सिंह की शादी 25 नवंबर 2026 को होनी है। शादी को लेकर नदवां गांव में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। 10 बीघे में पंडाल बनाया जा रहा है। टेंट और पंडाल लगाने के लिए सामान के साथ मजदूरों को उत्तर प्रदेश के मऊ से बुलाया गया है। विदेशी फूलों से मेहमानों का स्वागत किया जाएगा। इसके लिए विदेश से फूल मंगवाने का ऑर्डर दिया गया है। इसके अलावा हॉर्स राइडिंग का भी आयोजन होगा, जिसमें देशभर से घुड़सवारों को बुलाया गया है। हॉर्स राइडिंग के लिए जमीन को समतल कर मैदान तैयार किया जा रहा है। शादी समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा।

कमांडेंट के बेटे से होगी शिवांगी की शादीः शिवांगी की शादी पटना के बिहटा के कृष्णानगर के रहने वाले कमांडेंट रणविजय सिंह के बेटे ऋषिकेश कुमार उर्फ अंकित से होगी। बताया जा रहा है कि ऋषिकेश 11 साल से अमेरिका में रह रहे हैं। उन्होंने जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, अटलांटा से एमबीए की पढ़ाई पूरी की है। 20 नवंबर को तिलक-फलदान होगा। 25 नवंबर को अनंत सिंह के छोटे बेटे अभिनव का उपनयन संस्कार यानी जनेऊ और शिवांगी की शादी होगी। अनंत सिंह और पूर्व विधायक नीलम देवी की दो बेटियां राजनंदनी सिंह और शिवांगी सिंह हैं। उनके तीन बेटे अंकित, अभिषेक और अभिनव हैं।

तेजस्वी बोले- देश के लोकतंत्र को मिटने नहीं देंगे, यूपी चुनाव में बीजेपी को भगाएंगे

एजेंसी, पटना



SIR के खिलाफ और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर रविवार को दिल्ली में INDIA ब्लॉक की रैली है। बिहार से तेजस्वी यादव, कांग्रेस सांसद अखिलेश सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम,पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव समेत कई नेता महारैली में शामिल हैं। रैली को संबोधित करते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि देश सब कुछ देख रहा है। संवैधानिक संस्थाएं काम नहीं कर रही हैं। ज्ञानू, मोदी जी की सुनोगे या देश की जनता की सुनोगे? देश के लोकतंत्र को मिट्टी में मिलने नहीं देंगे। हम बिहारी हैं, मिटने नहीं देंगे। यूपी के चुनाव में भाजपा को हराकर रहेंगे।

तेजस्वी ने आगे कहा कि हमने आज वोट चोरों के खिलाफ महाभारत का आयोजन किया है। आज शकुनी अपना खेल खेल रहे हैं तो हमें कुरुक्षेत्र में उतरना पड़ रहा है। इन पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए, ताकि किसी व्यक्ति में हिम्मत न हो कि वह हमारे देश के लोकतंत्र को खत्म कर सके। कुछ लोग लोग तय कर रहे हैं कि देश में कौन वोट देगा और कौन नहीं। देश देख रहा है कि संवैधानिक संस्थाएं न्याय नहीं कर रही हैं। इस महारैली में VIP सुप्रीमो मुकेश सहनी को न्योता नहीं दिया गया है। मुकेश सहनी ने कहा कि रैली में हमारी पार्टी के कई कार्यकर्ता शामिल हुए हैं। हम लोग स्टेज पर कुर्सी के पीछे बैठने के लिए नहीं है, इसलिए बिहार में हम लोग लीड करेंगे।

तेजस्वी बोले- संवैधानिक संस्थाएं न्याय नहीं कर रही हैंः हमने आज वोट चोरों के खिलाफ महाभारत का आयोजन किया है। आज शकुनी अपना खेल खेल रहे हैं तो हमें कुरुक्षेत्र में उतरना पड़ रहा है। इन पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए, ताकि किसी व्यक्ति में हिम्मत न हो कि वह हमारे देश के लोकतंत्र को खत्म कर सके। कुछ लोग लोग तय कर रहे हैं कि देश में कौन वोट देगा और कौन नहीं। देश देख रहा है कि संवैधानिक संस्थाएं न्याय नहीं कर रही हैं। ये सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग के खिलाफ हैं। इंडिया ब्लॉक की महारैली पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि मुझे हंसी इस बात पर आती है कि वे इस देश के मतदाताओं को मूर्ख समझते हैं?... अगर वे दावा कर रहे हैं कि 13 करोड़ नाम प्रभावित हुए हैं, तो वे इसका ब्यौरा क्यों नहीं देते?... इनमें से कितने नाम मृत लोगों के हैं? कितने नाम डुप्लिकेट हैं?

संक्षिप्त समाचार

सरकारी भवन निर्माण में अनियमितता के आरोप, कनीय व सहायक अभियंता पर विभागीय कार्रवाई की तैयारी

सहयोग पोर्टल पर मुखिया राजू बैठा की शिकायत के बाद प्रशासन सख्त, कनीय एवं सहायक अभियंता के साथ तत्कालीन कार्यपालक अभियंता पर भी कार्रवाई की पहल।

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के मोतिहारी सदर प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत राज गोढ़वा में निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन में कथित अनियमितता, प्राक्कलन के विपरीत निर्माण कार्य, निर्धारित समय सीमा में काम पूरा नहीं करने तथा घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल का मामला अब प्रशासनिक स्तर पर गंभीर रूप लेता नजर आ रहा है। इस मामले को लेकर गोढ़वा पंचायत के मुखिया राजू बैठा ने बिहार सरकार के सहयोग पोर्टल पर लगातार शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत का पंजीकरण संख्या REF812327 एवं REF812976 है। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए जिला पंचायत राज पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी ने पत्र जारी कर कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल को आवश्यक निर्देश दिया है। पत्र में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित नहीं कराने के लिए जिम्मेदार कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्रवाई प्रारंभ करने तथा तत्कालीन कार्यपालक अभियंता के विरुद्ध भी आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया है। इस संबंध में मुखिया राजू बैठा ने कहा कि यह मामला किसी व्यक्ति विशेष के विरोध का नहीं है, बल्कि सरकारी राशि के सदुपयोग, निर्माण कार्य में पारदर्शिता, गुणवत्ता सुनिश्चित करने और सरकारी नियमों के अनुपालन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं होनी चाहिए और जनता के पैसे से होने वाले निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरे किए जाने चाहिए। अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग इस मामले में आगे क्या कार्रवाई करता है और पंचायत सरकार भवन का निर्माण निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप कब तक पूरा कराया जाता है।

कायाकल्प अभियान से बदला अनुमंडलीय अस्पताल का स्वरूप, स्वच्छ एवं सुंदर बना परिसर



बीएनएम @ पकड़ीदयाल। बिहार सरकार के निर्देशानुसार पूर्वी चंपारण जिले के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने, आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने तथा अस्पताल परिसरों को स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक बनाने के उद्देश्य से कायाकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अनुमंडलीय अस्पताल, पकड़ीदयाल में व्यापक सुधार एवं सौंदर्यीकरण के कार्य किए गए हैं। अभियान के अंतर्गत अस्पताल भवन का रंग-रोगन कर उसे नया एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया है। साथ ही, अस्पताल परिसर के सौंदर्यीकरण, साफ-सफाई एवं समुचित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन प्रयासों से अस्पताल परिसर अब पहले की तुलना में अधिक स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित नजर आ रहा है।अस्पताल के स्वच्छ एवं सकारात्मक वातावरण से चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं सहयोगी कर्मचारियों को बेहतर कार्य परिवेश मिलेगा। इससे उनकी कार्यक्षमता एवं कार्यसंस्कृति को प्रोत्साहन मिलने के साथ-साथ मरीजों को भी स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। कायाकल्प अभियान का उद्देश्य केवल अस्पताल भवनों का सौंदर्यीकरण करना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, बेहतर प्रबंधन एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के अनुकूल वातावरण विकसित करना भी है। जिला प्रशासन द्वारा इस अभियान के माध्यम से सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों की आधारभूत सुविधाओं में निरंतर सुधार किया जा रहा है, ताकि उन्हें आमजन के लिए अधिक सुविधाजनक, स्वच्छ एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके।

छापेमारी में झोपड़ी में छिपाकर रखी नौ बोतल शराब बरामद, दो नामजद आरोपित फरार

बीएनएम @ पहाड़पुर। थाना क्षेत्र के पकड़िया गांव में पुलिस ने छापेमारी कर टाट-फूस की झोपड़ी से उत्तर प्रदेश में बिक्री के लिए निर्धारित रॉयल स्टैग व्हिस्की की नौ बोतलें बरामद की हैं। बरामद शराब की कुल मात्रा 3.375 लीटर है। मामले में दो नामजद आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। दोनों फिलहाल फरार हैं। थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार के बयान के अनुसार, 31 अक्टूबर को दोपहर करीब 3:40 बजे पकड़िया गांव निवासी साजन महतो और राजाबाबू महतो उर्फ विधायक की टाट-फूस की झोपड़ी में छापेमारी की गई। इस दौरान 375 एमएल की नौ बोतल रॉयल स्टैग सुपीरियर व्हिस्की बरामद हुई। बोतलों पर 'फॉर सेल इन उत्तर प्रदेश ओनली' अंकित था। इस मामले में साजन महतो और राजाबाबू महतो उर्फ विधायक, दोनों के पिता सुदामा महतो, निवासी पकड़िया, थाना पहाड़पुर, जिला पूर्वी चंपारण के विरुद्ध पहाड़पुर थाना कांड संख्या 595/26 दर्ज किया गया है। दोनों के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधन अधिनियम, 2022 की धारा 30(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। छापेमारी पुलिस अवर निरीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार, दोनों नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

हरसिद्धि में 15 लोगों की गुंडा परेड, पुलिस ने कराया सत्यापन

विभिन्न गांवों के सूचीबद्ध लोग हुए शामिल, पुलिस रिकॉर्ड में पहचान और गतिविधियों का विवरण होगा अपडेट

बीएनएम @ मोतिहारी



हरसिद्धि थाना क्षेत्र में पुलिस रिकॉर्ड को अद्यतन करने और सूचीबद्ध लोगों की पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रविवार, एक नवंबर को हरसिद्धि थाना परिसर में गुंडा परेड कराई गई। इसमें विभिन्न गांवों के 15 लोगों को शामिल किया गया। इनमें सरिसवा निवासी कमरुद्दीन मियां उर्फ ढोलकवा भी शामिल है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि परेड में गोविंदापुर निवासी सुनील कुमार सिंह, पिता लालबाबू सिंह, पानापुर योगिया के राजा कुमार, पिता नमप्रकाश सहनी, मानिकपुर के विशाल कुमार, पिता शिवनारायण राय, योगिया के मुन्ना कुमार, पिता पन्नालाल सहनी, पानापुर कान्ही टोला के मनदीप कुमार, पिता विनोद सहनी, योगिया के विक्की कुमार, पिता विनोद सहनी, बिशुनपुरा के ईरसाद आलम, पिता तबारक देवान, पकड़िया के रूपेश सिंह, पिता वशिष्ठ सिंह और रवि कुमार, पिता विजय प्रसाद केशरी शामिल है। इसके अलावा खोड्डी पकड़ के अंकित कुमार, पिता योगेंद्र चौधरी, सरेया खुर्द के मंजय कुमार पांडेय, पिता गणेश पांडेय, प्रमोद चौधरी, पिता स्व. मोतीलाल चौधरी, लालगंज के अभिनंदन कुमार, पिता मोतीलाल साह, सरिसवा के कमरुद्दीन अंसारी उर्फ ढोलकवा और कोटिया के सुभाष कुमार, पिता रामसागर सहनी भी परेड में शामिल हुए। थानाध्यक्ष ने बताया कि परेड में शामिल सभी लोगों का फोटो एलबम भी तैयार कराया जा रहा है। इसके माध्यम से पुलिस रिकॉर्ड में उनकी पहचान से संबंधित विवरण सुरक्षित और अद्यतन रखा जाएगा। इससे जरूरत पड़ने पर संबंधित लोगों की पहचान करने और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने में पुलिस को सहूलियत होगी।

डॉ. सुनील कुमार 'चम्पारणी' को मिला 'राष्ट्रीय हिंदी गौरव सम्मान'

बीएनएम @ नई दिल्ली

विश्व हिंदी परिषद के तत्वावधान में 30 एवं 31 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में डॉ. सुनील कुमार 'चम्पारणी' को 'राष्ट्रीय हिंदी गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। डॉ. चम्पारणी डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा में उप कुलसचिव (शिक्षा) के पद से सेवानिवृत्त हैं। वे प्रतिष्ठित कवि, गजलकार एवं साहित्यकार हैं तथा वर्तमान में विश्व हिंदी परिषद, मोतिहारी के जिला अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। सम्मेलन में उन्होंने 'हिंदी, राष्ट्रवाद और सुशासन' विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में अपनी कविता एवं गजलों का सस्वर पाठ कर श्रोताओं की खूब सराहना प्राप्त की। सम्मेलन का उद्घाटन भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने किया। इसमें देश-विदेश के अनेक गणमान्य अतिथियों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों एवं लगभग 25 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन के समापन अवसर पर हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं राष्ट्रहित के प्रचार-प्रसार में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर डॉ. चम्पारणी ने विश्व हिंदी परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार सहित आयोजन से जुड़े सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उनकी इस उपलब्धि से मोतिहारी सहित पूरे चंपारण क्षेत्र के साहित्यकारों एवं हिंदी प्रेमियों में हर्ष और गर्व का माहौल है।

पोलियो मुक्त विश्व के संकल्प के साथ बीरगंज से रक्सौल तक निकली जागरूकता रैली

बीएनएम @ रक्सौल



पोलियो मुक्त विश्व के संकल्प एवं बच्चों के नियमित टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार को नेपाल के बीरगंज स्थित घंटाघर से रक्सौल तक जागरूकता रैली निकाली गई। विश्व पोलियो उन्मूलन सप्ताह के समापन पर रोटरी क्लब ऑफ बीरगंज एवं रोटरी क्लब ऑफ बीरगंज मेट्रोपोलिस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रैली भारत-नेपाल मैत्री पुल होते हुए रक्सौल के राजदंडी पहुंची। रैली का नेतृत्व रोटरी डिस्ट्रिक्ट रीजन-6 के पोलियो प्लस कमेटी चेयर अभिषेक चौधरी, रोटरी क्लब ऑफ बीरगंज के अध्यक्ष राकेश मिश्रा एवं रोटरी क्लब ऑफ बीरगंज मेट्रोपोलिस के अध्यक्ष राजकिशोर कलवार ने किया। इसमें बड़ी संख्या में रोटेरियन, रोट्रैक्टर्स एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। रक्सौल पहुंचने पर भारत विकास परिषद, शाखा-रक्सौल की ओर से अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी की अध्यक्षता एवं सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ के संयोजन में रोटेरियनों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस दौरान दोनों देशों के सामाजिक संगठनों के बीच मैत्री और सहयोग की भावना प्रदर्शित हुई। अभिषेक चौधरी ने कहा कि पोलियो मुक्त विश्व का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब प्रत्येक बच्चे तक टीकाकरण की पहुंच सुनिश्चित होगी। वहीं, रजनीश प्रियदर्शी ने कहा कि पोलियो उन्मूलन पूरी मानवता के स्वस्थ भविष्य से जुड़ा साझा संकल्प है और ऐसे अभियान भारत-नेपाल के मैत्री संबंधों को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में अनुमंडलीय अस्पताल रक्सौल की उपाधीक्षक डॉ. स्वाति सपन, डॉ. विजय कुमार एवं हरैया थानाध्यक्ष किशन पासवान ने इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन परिषद के कोषाध्यक्ष सुनील कुमार ने किया। मौके पर परिषद के अनेक सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम की जानकारी बिमल कुमार सर्राफ ने दी।

प्रो. प्रसून दत्त सिंह पांचवीं बार ऑल इंडिया ओरिएंटल कॉन्फ्रेंस की कार्यकारिणी में निर्वाचित

बीएनएम @ मोतिहारी



महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष एवं मानविकी एवं भाषा संकाय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन (ऑल इंडिया ओरिएंटल कॉन्फ्रेंस) की कार्यकारिणी के सदस्य निर्वाचित हुए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रो. सिंह इससे पूर्व भी पांच बार इस प्रतिष्ठित कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके हैं। इस बार के निर्वाचन में बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश से वे एकमात्र निर्वाचित प्रतिनिधि हैं। उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय में 29 से 31 अक्टूबर 2026 तक आयोजित ऑल इंडिया ओरिएंटल कॉन्फ्रेंस के 52वें अधिवेशन के दौरान यह निर्वाचन संपन्न हुआ। इस अधिवेशन के संरक्षक योगगुरु स्वामी रामदेव तथा मार्गदर्शक प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य आचार्य बालकृष्ण थे। सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने की। उल्लेखनीय है कि ऑल इंडिया ओरिएंटल कॉन्फ्रेंस की स्थापना वर्ष 1918 में भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे के कार्यकारिणी बोर्ड के प्रस्ताव पर हुई थी। इसका प्रथम अधिवेशन वर्ष 1919 में पुणे में आयोजित किया गया था। यह सम्मेलन संस्कृत, प्राच्य विद्या एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और अकादमिक विकास के क्षेत्र में देश के सबसे प्राचीन एवं प्रतिष्ठित मंचों में से एक है। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन के पूर्व अध्यक्षों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की गौरवशाली परंपरा में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, पी. वी. काणे, महामहोपाध्याय सर डॉ. गंगानाथ झा, डॉ. आर. एन. दांडेकर, प्रो. वी. एन. पांडुरंगी, पद्मश्री अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. सतीश चंद्र झा और प्रो. सरोजा भाटे जैसी अनेक प्रतिष्ठित विभूतियों एवं भारतविद्या के मनीषियों के नाम शामिल हैं। प्रो. प्रसून दत्त सिंह के इस निर्वाचन पर महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह न केवल महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बल्कि संपूर्ण बिहार के लिए भी गर्व का विषय है। प्रो. सिंह की इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिवार एवं अकादमिक जगत में हर्ष का माहौल है।

सदर अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे सिविल सर्जन, दो सफल सिजेरियन ऑपरेशन

» सीएस ने मरीजों को बेहतर सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी



जिला सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रविवार को सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने अस्पताल का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं, साफ-सफाई, चिकित्सा व्यवस्था एवं स्वास्थ्यकर्मियों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से अस्पताल में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। साथ ही मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने, अस्पताल परिसर एवं सभी वार्डों में स्वच्छता बनाए रखने तथा मरीजों के साथ संवेदनशील, सहयोगात्मक एवं सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी महत्वपूर्ण पहल की गई। सिविल सर्जन की मौजूदगी एवं पहल पर सदर अस्पताल में दो गर्भवती महिलाओं का सिजेरियन ऑपरेशन कराया गया। इससे जरूरतमंद प्रसूताओं को सरकारी अस्पताल में ही आवश्यक शल्य चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराने तथा सुरक्षित मातृत्व सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों को बल मिला। सिविल सर्जन डॉ. कुमार ने चिकित्सकों, नर्सिंग कर्मियों एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर स्वास्थ्य सेवाओं का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि अस्पताल पहुंचने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर जांच, समुचित उपचार एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी स्वास्थ्यकर्मियों को पूरी जिम्मेदारी, तत्परता एवं सेवाभाव के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं को नियमित रूप से बेहतर बनाए रखने, मरीजों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने तथा उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। सिविल सर्जन ने स्पष्ट किया कि अस्पताल की व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार, मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा तथा सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के प्रति आमजन का विश्वास मजबूत करना विभाग की प्राथमिकता है। सदर अस्पताल में किए गए इस व्यापक निरीक्षण एवं दो गर्भवती महिलाओं के सिजेरियन ऑपरेशन की व्यवस्था से मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने तथा आमजन को सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग की प्रतिबद्धता परिलक्षित होती है।

शराब का हुआ विनष्टीकरण



बीएनएम @ पहाड़पुर

न्यायालय के निर्देश पर थाने में जप्त शराब का विनष्टीकरण रविवार को किया गया। नियुक्त मजिस्ट्रेट सह अंचलाधिकारी पहाड़पुर रामसेवक पासवान की मौजूदगी में ट्रेटा पैक, 8 पीएम, चूलाइ शराब, देशी व विदेशी शराब मात्रा लगभग एक सौ पचास लीटर का विनष्टीकरण किया गया। थानाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार ने बताया कि कइ कांड के जप्त शराब को नष्ट करने के लिए न्यायालय से निर्देश प्राप्त हुआ था। जिसे थाने के बगल में गढा खोदकर नष्ट कर दिया गया। मौके पर सीओ रामसेवक पासवान, थानाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार के अलावा दारोगा अमित कुमार, बीरलाल प्रसाद, अजय कुमार सहित पुलिस कर्मी मौजूद थे।

धनतेरस-दिवाली पर रकता इंटरप्राइजेज मोबाइल मार्ट में महाबचत ऑफर की धूम

बीएनएम @ रामगढ़वा



दीपावली एवं धनतेरस के पावन अवसर पर ग्राहकों को विशेष सौगात देने के उद्देश्य से रामगढ़वा के हनुमान मंदिर के सामने मेन रोड स्थित प्रसिद्ध प्रतिष्ठान रकता इंटरप्राइजेज मोबाइल मार्ट (प्रमुख जी की दुकान) की ओर से 1 नवंबर से 15 नवंबर तक विशेष महा-बचत ऑफर शुरू किया गया है। इस त्योहारी ऑफर के तहत ग्राहकों को मोबाइल की खरीदारी पर आकर्षक छूट, शानदार उपहार और आसान किस्तों में स्मार्टफोन खरीदने की सुविधा मिल रही है। प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर किशन गुप्ता ने बताया कि ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जीरो डाउन पेमेंट और 0 प्रतिशत ब्याज पर आसान ईएमआई की व्यवस्था की गई है। इसके तहत ग्राहक एप्पल, सैमसंग अल्ट्रा, शाओमी और वीवो सहित विभिन्न प्रमुख कंपनियों के लेटेस्ट स्मार्टफोन खरीद सकते हैं। साथ ही पुराने मोबाइल के बदले नया फोन खरीदने पर आकर्षक एक्सचेंज ऑफर का लाभ भी उठा सकते हैं। त्योहारी सीजन में ग्राहकों को खरीदारी के साथ उपहार देने के लिए प्रतिष्ठान की ओर से विशेष व्यवस्था की गई है। यहां से मोबाइल खरीदने वाले ग्राहकों को लकी ड्रॉ अथवा कूपन के माध्यम से डिनर सेट, कैसरोल, प्रेशर कुकर, साइकिल, बाल्टी सेट, ईयरबड्स और स्मार्टवॉच सहित कई आकर्षक उपहार जीतने का मौका मिलेगा। इस ऑफर की खास बात यह है कि ग्राहकों को केवल महंगे मोबाइल की खरीदारी पर ही नहीं, बल्कि मात्र एक डेटा केबल खरीदने पर भी निश्चित उपहार दिया जा रहा है। इससे छोटी खरीदारी करने वाले ग्राहकों को भी त्योहार का खास तोहफा मिल सकेगा। प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर रविंदर प्रसाद ने क्षेत्र के सभी ग्राहकों एवं गणमान्य लोगों से अपील की है कि वे 1 से 15 नवंबर तक चलने वाले इस विशेष दिवाली-धनतेरस ऑफर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

नशामुक्त बिहार के लिए जीविका दीदियों का जागरूकता अभियान शुरू

बीएनएम @ मोतिहारी



बिहार को नशामुक्त बनाने के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से पूर्वी चंपारण जिले में रविवार से व्यापक जन-जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। 'नशामुक्त बिहार अभियान' के तहत 'गांव का संकल्प' कार्यक्रम के अंतर्गत शुरू हुए इस विशेष अभियान में जीविका दीदियां ग्रामीण परिवारों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करेंगी और समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगी। जीविका के तत्वावधान में जिले के सभी संकुल स्तरीय संघों में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सहयोग से इस अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जीविका दीदियों के साथ ब्रह्माकुमारी संस्थान की बहनें, सहायक आयुक्त, मद्यनिषेध, पूर्वी चंपारण तथा जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका, पूर्वी चंपारण उपस्थित रहे। अभियान के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, ब्रह्माकुमारी संस्थान की बहनों और जीविका दीदियों ने एकजुट होकर नशामुक्त बिहार के निर्माण की सामूहिक शपथ ली। सभी ने नशे से दूर रहने और अपने परिवार, समाज एवं गांव में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्थान की बहनों ने जीविका दीदियों को नशे की लत से मुक्ति पाने के लिए मानसिक दृढ़ता, आत्मसंयम और राजयोग के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने व्यसनमुक्त जीवन अपनाने के सरल उपायों पर भी प्रकाश डाला। साथ ही बताया कि सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति के माध्यम से नशे जैसी सामाजिक बुराई से मुकाबला किया जा सकता है। जिले में यह विशेष जन-जागरूकता अभियान 7 नवंबर 2026 तक लगातार संचालित किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न संकुल स्तरीय संघों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जीविका दीदियां घर-घर जाकर नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देंगी और परिवारों को नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेंगी। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका ने कहा कि जीविका दीदियां ग्रामीण समाज में सकारात्मक बदलाव की सशक्त वाहक हैं। उनके सामूहिक प्रयासों से नशामुक्ति का संदेश हर घर और हर गांव तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अभियान के माध्यम से ग्रामीण परिवारों में जागरूकता बढ़ेगी और एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं सशक्त समाज के निर्माण को गति मिलेगी। वहीं, मद्यनिषेध विभाग के सहायक आयुक्त ने इस पहल की सराहना करते हुए अभियान को सफल बनाने में विभाग की ओर से हरसंभव सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई। जीविका दीदियों की भागीदारी से पूर्वी चंपारण में शुरू हुई यह पहल न केवल नशे के खिलाफ जनजागरूकता बढ़ाने का प्रयास है, बल्कि गांव-गांव में सामाजिक बदलाव और स्वस्थ परिवारों के निर्माण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त समाचार

जमीन विवाद में मारपीट, धारदार हथियार से हमले में चार घायल



बीएनएम @ बेतिया। नरकटियागंज नगर के वार्ड संख्या-16 में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला किए जाने का आरोप है। घटना में दोनों पक्षों के कुल चार लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत जमीन और दीवार तोड़े जाने को लेकर हुई। एक पक्ष का आरोप है कि उनकी दीवार तोड़ी जा रही थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इस दौरान एक पक्ष के सुजीत कुमार को धारदार हथियार से चोट लगने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि एक पक्ष के दो लोग घायल हुए, जबकि दूसरे पक्ष के भी दो लोगों को मामूली चोटें आईं। सभी घायलों को इलाज के लिए नरकटियागंज अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना से संबंधित एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग लाठी-डंडों से एक-दूसरे पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में कुछ लोग बीच-बचाव करते भी नजर आ रहे हैं। हालांकि, वायरल वीडियो की पुष्टि दैनिक बिहार की बात नहीं करता है। मारपीट की वास्तविक वजह और घटना में शामिल लोगों की भूमिका जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पीड़ित पक्ष ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए उचित कार्रवाई की मांग की है।

नरकटियागंज में 1876 लीटर जब्त शराब का विनष्टीकरण



बीएनएम @ बेतिया। बिहार में शराबबंदी कानून के तहत अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नरकटियागंज में पुलिस और प्रशासन ने 1876 लीटर देशी एवं नेपाली शराब नष्ट कर दी। यह शराब अनुमंडल क्षेत्र के 12 थानों की पुलिस द्वारा करीब चार दर्जन मामलों में जब्त की गई थी। शिकारपुर थाना परिसर में आयोजित विनष्टीकरण की कार्रवाई प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत संपन्न हुई। मजिस्ट्रेट सह प्रखंड विकास पदाधिकारी सूरज कुमार सिंह और उत्पाद विभाग के दारोगा रौशन कुमार यादव की निगरानी में जब्त शराब को नष्ट किया गया। मजिस्ट्रेट सह बीडीओ सूरज कुमार सिंह ने बताया कि न्यायालय के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न थानों में शराब तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए गए अभियानों के दौरान जब्त की गई शराब का नियमानुसार विनष्टीकरण किया गया। करीब चार दर्जन मामलों से संबंधित जब्त शराब का निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया के तहत पूरा किया गया। अधिकारियों ने बताया कि शराबबंदी कानून के प्रभावी अनुपालन के लिए अवैध शराब की तस्करी, बिक्री और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही विभिन्न मामलों में जब्त शराब का न्यायालय के निर्देशानुसार नियमानुसार निस्तारण किया जाएगा।

कार्रवाई : 58 वारंटों का निष्पादन, 13 वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम @ बगहा। बगहा पुलिस जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रविवार को पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान सेमरा थाना पुलिस ने वारंट के मामले में गफ्फार देवान (पिता मुस्लिम देवान) को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की प्रक्रिया शुरू की। वहीं, रामनगर थाना पुलिस ने चार वारंटियों मो. आनंद (पिता मो. जाहीर), आदित्य केशरी (पिता छत्तीस केशरी), सुमीत कुमार (पिता संजय कुशवाहा) और किशोरी यादव (पिता नरेश यादव) को गिरफ्तार किया। चौतरवा थाना पुलिस ने राजिन्द्र चौधरी, उपेन्द्र चौधरी एवं जितेन्द्र चौधरी (तीनों के पिता सतेन्द्र चौधरी) तथा कादिर उर्फ अख्तर मियां (पिता सलीम मियां) को वारंट के मामले में गिरफ्तार किया। बाद में रिकॉल के आधार पर सभी को मुक्त कर दिया गया। वाल्मीकिनगर थाना पुलिस ने गोरख राम (पिता स्व. बच्चा राम) को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की कार्रवाई की। धनहां थाना पुलिस ने बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2022 की धारा 37 के तहत सीताराम प्रजापति (पिता श्रीकांत प्रजापति) तथा वारंट के मामले में कर्पूरी ठाकुर (पिता रामपृत बीन) को गिरफ्तार किया। वहीं, भितहां थाना पुलिस ने शंभू मुसहर (पिता सिकंदर मुसहर) और गुड्डू मुसहर (पिता बंदु मुसहर) को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की प्रक्रिया शुरू की। एसपी ने बताया कि अभियान के दौरान कुल 58 वारंटों का निष्पादन किया गया। इसके अलावा वाहन जांच अभियान में 281 वाहनों की जांच की गई, जिसमें यातायात नियमों के उल्लंघन पर 26 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। उन्होंने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

जीएसटी दस्तावेज नहीं मिलने पर कोल्ड ड्रिंक्स लदा मिनी टेम्पो जब्त

बीएनएम @ बगहा। पश्चिम चंपारण जिले के चौतरवा मुख्य चौक पर वाणिज्यकर विभाग की संयुक्त टीम ने जांच के दौरान कोल्ड ड्रिंक्स से लदे एक मिनी टेम्पो को जब्त कर पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार, मिनी टेम्पो उत्तर प्रदेश से कोल्ड ड्रिंक्स लेकर रामनगर जा रहा था। इसी दौरान चौतरवा मुख्य चौक पर विभागीय टीम ने वाहन रोककर चालक से सामान की खरीद-बिक्री एवं परिवहन से संबंधित जीएसटी दस्तावेज मांगे। आवश्यक कागजात प्रस्तुत नहीं किए जाने पर टीम ने वाहन जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए चौतरवा थाना पुलिस को सौंप दिया। जब्त वाहन का पंजीकरण संख्या BR22GC4979 बताया गया है। वाहन मालिक एवं संबंधित कारोबारी के विरुद्ध आगे की कार्रवाई विभागीय जांच और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद तय की जाएगी। चौतरवा थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि वाणिज्यकर विभाग की टीम ने देर रात वाहन को पकड़ा था और आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया। फिलहाल मामले में जीएसटी दस्तावेजों की जांच एवं विभागीय कार्रवाई जारी है।

अज्ञात वाहन की ठोकर से अधेड़ की मौत

बीएनएम @ सरैया(मुजफ्फरपुर)। एनएच-722 रेवा रोड स्थित मुंगौली गांव के समीप रविवार की शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 50 वर्षीय नंदा पासवान की मौत हो गई। वह वैशाली जिले के नया टोला के निवासी थे। जानकारी के अनुसार, वह अपने ससुराल पताही से घर लौट रहे थे। मुंगौली गांव के पास ऑटो से उतरकर किसी से मिलने के लिए सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन उन्हें कुचलते हुए फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर डायल 112 की टीम और एनएचएआई की एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायल नंदा पासवान को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैया ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हेरिटेज वॉक के जरिए नशामुक्त समाज का दिया संदेश

बीएनएम @ बेतिया



नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र के 50 से अधिक प्रशिक्षुओं ने हेरिटेज वॉक निकालकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत लौरिया स्थित ऐतिहासिक नंदनगढ़ से हुई। इसके बाद जागरूकता दल ने अशोक स्तंभ और भितिहरवा गांधी आश्रम का भ्रमण किया। इस दौरान प्रशिक्षुओं ने ऐतिहासिक विरासत को करीब से जाना और स्थानीय लोगों के साथ नशामुक्त समाज के निर्माण की शपथ ली। भितिहरवा गांधी आश्रम में जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी राकेश कुमार ने कहा कि नशा अनेक सामाजिक बुराइयों की जड़ है। खराब संगति और परिस्थितियों के कारण लोग इसकी गिरफ्त में आ जाते हैं। इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए सरकारी प्रयासों के साथ समाज की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। कार्यक्रम में मझौलिया डिग्री कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. मोहम्मद दानिश ने चंपारण में महात्मा गांधी के आंदोलन और भितिहरवा आश्रम के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, प्रशिक्षुओं ने गांधीजी के प्रसिद्ध भजनों का गायन किया। इस अवसर पर जिला युवा उत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले नाटक दल के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों को प्रस्तुत किया। कलाकारों ने लोगों से नशे से दूर रहने और स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने की अपील की। प्रस्तुति से प्रभावित पर्यटकों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साह बढ़ाया और नशामुक्ति की शपथ ली। हेरिटेज वॉक के अगले चरण में जागरूकता दल रामपुरवा पिलर पहुंचा, जहां कला इतिहास के शोधार्थी वरुण राज ने प्रशिक्षुओं को विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों के इतिहास, स्थापत्य एवं तकनीकी विशेषताओं की जानकारी दी। कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार सरकार द्वारा संचालित आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र की इस पहल में संगीत, नाटक और ऐतिहासिक विरासत के माध्यम से जनजागरूकता का संदेश दिया गया। मौके पर प्रशिक्षक असलम चिश्ती, जयमाला मिश्रा, उर्वशी कुमारी सहित चंदन झा, प्रशांत कुमार, अंशुमान कुमार, रौनक कुमार, पुज्जवल कुमार, चंद्रभूषण कुमार समेत दर्जनों प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

बाइक की ठोकर से 35 वर्षीय की मौत, चालक गंभीर



बीएनएम @ बेतिया

लौरिया-बगहा एनएच-727 पर रविवार को विशुनपुरवा ब्रह्मस्थान के समीप बाइक की ठोकर से 35 वर्षीय तुलसी साह की मौत हो गई, जबकि बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान लौरिया थाना क्षेत्र के विशुनपुरवा गांव के वार्ड संख्या-12 निवासी स्वर्गीय जगमोहन साह के पुत्र तुलसी साह के रूप में हुई है। हादसे के बाद रोड एंबुलेंस की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लौरिया पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने तुलसी साह को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल बाइक चालक राहुल कुमार, पिता मधु महतो, निवासी सहादतपुर गांव, वार्ड संख्या-4 को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बेतिया रेफर कर दिया गया। पुलिस उसके नाम और पते का सत्यापन कर रही है। मृतक के दो नाबालिग पुत्र हैं। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। लौरिया थानाध्यक्ष इंद्रजीत कुमार पासवान ने बताया कि पुलिस हादसे की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। आवेदन मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राज्यकर्मी का दर्जा देने की मांग पर बेल्ट्रॉन कर्मियों का प्रदर्शन

बीएनएम @ बेतिया



बिहार के सरकारी विभागों में वर्षों से सेवाएं दे रहे बेल्ट्रॉन कर्मियों ने राज्यकर्मी का दर्जा, निर्धारित वेतनमान और सेवा सुरक्षा समेत विभिन्न मांगों को लेकर रविवार को बेतिया में जोरदार प्रदर्शन किया। बिहार राज्य डाटा इंट्री ऑपरेटर संयुक्त मोर्चा की पश्चिम चंपारण जिला इकाई के नेतृत्व में सुबह 11 बजे शहीद स्मारक से समाहरणालय गेट तक रोड मार्च निकाला गया। इसमें डाटा इंट्री ऑपरेटर, प्रोग्रामर, स्टेनोग्राफर और आईटी कर्मियों ने भाग लिया। प्रदर्शन में महिला कर्मियों की भी बड़ी भागीदारी रही। संयुक्त मोर्चा के अनुसार, राज्य के सभी 38 जिलों में एक साथ रोड मार्च आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग है कि बेल्ट्रॉन के माध्यम से नियोजित कर्मियों को राज्यकर्मी का दर्जा दिया जाए तथा सूचना प्रावैधिकी विभाग को नोडल विभाग घोषित किया जाए। संयुक्त मोर्चा के संयोजक अमरेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि कर्मियों ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष सरकारी सेवा में लगा दिए, लेकिन आज भी उन्हें स्थायी सेवा सुरक्षा और निर्धारित वेतनमान जैसी सुविधाओं का इंतजार है। सचिव कौशलेन्द्र शाही ने बताया कि वर्ष 1997 से कर्मियों की सेवाएं ली जा रही हैं। इसके बावजूद कई कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ के बिना ही सेवा से बाहर हो गए। अध्यक्ष लक्ष्मण शर्मा ने पद सृजन, सेवा नियमावली बनाने और वेतनमान लागू करने की मांग उठाई। वहीं, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रानी कुमारी समेत अन्य महिला कर्मियों ने 10 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि स्थगित किए जाने पर नाराजगी जताई। संयुक्त मोर्चा ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो प्रदेशव्यापी हड़ताल, कार्य बहिष्कार और चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा।

जीविका दीदियों ने लिया नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प



बीएनएम @ बगहा

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से रविवार को प्रखंड बगहा-एक के शांति जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ, चौतरवा एवं अमृत धारा जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ, परसौनी में जागरूकता अभियान चलाया। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में जीविका समूह की महिलाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त परिवार एवं समाज बनाने की शपथ दिलाई गई। एक से पांच नवंबर तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत शपथ ग्रहण, रंगोली निर्माण सहित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। रंगोली के जरिए नशे से होने वाले नुकसान और इससे दूर रहने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर रेखा दीदी ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर और मन को नुकसान पहुंचाने के साथ पूरे परिवार की खुशियां छीन लेता है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है और आपसी संबंधों में तनाव बढ़ता है। उन्होंने कहा कि समाज को नशामुक्त बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। विशेषकर महिलाएं अपने परिवार और आसपास के लोगों को जागरूक कर इस अभियान को जन आंदोलन का रूप दे सकती हैं। उन्होंने जीविका समूह की महिलाओं से अपने गांव और टोले में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने तथा दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की अपील की। कार्यक्रम में प्रखंड बगहा-एक के जीविका परियोजना प्रबंधक विनोद कुमार सहित जीविका समूह की महिलाएं एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

फसल क्षति पर 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजे की मांग

बीएनएम @ केसरिया। पंचायत समिति सदस्य एवं बैरिया निवासी नितेश चन्द्रवंशी ने चक्रवाती तूफान और बेमौसम भारी बारिश से किसानों की फसलों को हुए व्यापक नुकसान पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं जिला प्रशासन से प्रभावित किसानों को तत्काल राहत देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चक्रवाती तूफान और बारिश से खेतों में पककर तैयार धान सहित अन्य खड़ी फसलें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिससे किसानों के सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। पिछले वर्ष भी प्राकृतिक आपदा से किसानों को भारी नुकसान हुआ था और वे अभी उससे उबर भी नहीं पाए थे कि इस वर्ष फिर फसल बर्बाद हो गई। उन्होंने कहा कि फसल नष्ट होने से किसानों के सामने परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई, बेटियों की शादी और कृषि ऋण चुकाने जैसी चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। चन्द्रवंशी ने सरकार से केसरिया प्रखंड सहित जिले के सभी प्रभावित गांवों, पंचायतों एवं टोलों में कृषि विशेषज्ञों और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर निष्पक्ष एवं पारदर्शी फसल क्षति सर्वेक्षण कराने तथा प्रभावित किसानों को कम से कम 50 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा देने की मांग की है।

दोन क्षेत्र के विकास के लिए 24 योजनाओं को मंजूरी

बीएनएम @ पश्चिम चंपारण



जिले के सुदूरवर्ती दोन क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के लिए बिहार सरकार ने 24 योजनाओं को मंजूरी दी है। इन योजनाओं के तहत सड़क, पुल और पुलियों का निर्माण कराया जाएगा। रामनगर पहुंचे बिहार सरकार के डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री नंदकिशोर राम और वाल्मीकिनगर के जदयू सांसद सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से योजनाओं का शिलान्यास किया। सरकार की ओर से स्वीकृत योजनाओं पर जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने की बात कही गई है। नेपाल की तराई से सटे दुर्गम दोन क्षेत्र में वर्षों से बुनियादी सुविधाओं की कमी रही है। सड़क, पुल और पुलियों के निर्माण से स्थानीय लोगों को सालभर आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है। गंडक आईबी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंत्री नंदकिशोर राम ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और स्वीकृत 24 योजनाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगी। उन्होंने बताया कि संचार व्यवस्था मजबूत करने के लिए दोन क्षेत्र के गांवों में पांच बीएसएनएल मोबाइल टावर लगाने की दिशा में भी कार्रवाई शुरू की गई है। इससे दुर्गम इलाकों में रहने वाले लोगों को मोबाइल नेटवर्क की सुविधा मिलने की उम्मीद है। बेहतर संचार व्यवस्था से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। मंत्री ने बताया कि रामनगर शहर को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए बाइपास निर्माण का प्रयास भी जारी है। इसके अलावा रामनगर विधानसभा क्षेत्र में बालिकाओं की शिक्षा और आवासीय सुविधा को बेहतर बनाने के लिए तीन छात्रावासों के निर्माण को मंजूरी मिली है। परसौनी, मटियरिया और जमुनिया में बनने वाले प्रत्येक छात्रावास की क्षमता 100 बेड की होगी। इससे दूरदराज के क्षेत्रों की छात्राओं को पढ़ाई के लिए बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इन योजनाओं के धरातल पर उतरने से दोन क्षेत्र और रामनगर के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

छापेमारी में गांजा जैसा पदार्थ व 5.22 लाख रुपये बरामद



बीएनएम @ केसरिया (पूर्वी चंपारण)

केसरिया थाना क्षेत्र के खिजिरपुरा गांव में शनिवार की शाम पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मदन सहनी के घर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने 135 ग्राम गांजा जैसा पदार्थ और 5 लाख 22 हजार 330 रुपये नकद बरामद किए। थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि खिजिरपुरा गांव में गांजा का अवैध कारोबार किया जा रहा है। सूचना का सत्यापन करने के बाद पुलिस टीम ने संबंधित घर में छापेमारी की, जहां से गांजा जैसा पदार्थ और नकदी बरामद हुई। इस मामले में समोध सहनी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस बरामद नकदी के स्रोत और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। साथ ही अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कर्नाटक में मजदूर की संदिग्ध मौत, शव पहुंचते ही मचा कोहराम

बीएनएम @ बेतिया



गौनाहा प्रखंड के मंझरिया गांव निवासी 25 वर्षीय सुजीत मांझी की कर्नाटक में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव गांव पहुंचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और पूरे इलाके में मातम छा गया। बताया जाता है कि रामजी मांझी के पुत्र सुजीत मांझी परिवार का भरण-पोषण करने के लिए मजदूरी करने कर्नाटक गए थे, जहां उन्हें ईख की कटाई का काम मिला था। परिजनों के अनुसार, कर्नाटक पहुंचने के महज दो दिन बाद ही उनकी मौत की खबर मिली। मृतक के पिता रामजी मांझी ने ठेकेदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह सुजीत को जबरन घर से कर्नाटक ले गया था। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टमार्टम के दो दिन बाद जब सुजीत का शव मंझरिया पहुंचा, तो परिवार में कोहराम मच गया। जवान बेटे का शव देखकर पिता बेसुध हो गए, वहीं पति की मौत से पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने मंझरिया चौक पर सड़क जाम कर दिया, जिससे घंटों आवागमन बाधित रहा। सूचना मिलते ही गौनाहा थानाध्यक्ष शंभू शरण गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ एसआई अभिमन्यु कुमार, एसआई दिलीप सिंह और एसआई उमेश पासवान भी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों को समझाकर सड़क जाम समाप्त कराया, जिसके बाद आवागमन बहाल हुआ। सुजीत की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजन घटना की निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग कर रहे हैं।

ग्रामीण पत्रकारों के हितों की लड़ाई लड़ेगा एसोसिएशन

बीएनएम @ बगहा

ग्रामीण पत्रकारों के अधिकार, सम्मान एवं सरकारी सुविधाओं को लेकर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने आवाज बुलंद करने का निर्णय लिया है। पत्रकारों की समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से रविवार को प्रखंड बगहा-दो के सभागार में एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष इजरायल अंसारी ने की, जबकि संचालन चंद्रभूषण शांडिल्य ने किया। इस दौरान मुख्य अतिथि समाजसेवी जयनेंद्र सिंह को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। बैठक में संगठन विस्तार, ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं, पेंशन योजना एवं सरकारी सुविधाओं का लाभ दिलाने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बगहा पुलिस जिले के बगहा, रामनगर, पिपरासी, मधुबनी, भितहा और ठकरहा प्रखंडों में बैठकें आयोजित कर पत्रकारों को संगठन से जोड़ा जाएगा। साथ ही पत्रकारों को नई तकनीक, डिजिटल मीडिया और पत्रकारिता के बदलते स्वरूप से अवगत कराने के लिए प्रत्येक छह माह पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिला अध्यक्ष इजरायल अंसारी ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण पत्रकारों के हितों की रक्षा करना और उनकी समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाना है। उन्होंने प्रेस क्लब से जुड़े पत्रकारों की सदस्यता के मामले में स्पष्ट नीति अपनाने की आवश्यकता जताई। संगठन के मंत्री अबू साबिर ने कहा कि एसोसिएशन में कोई सदस्य छोटा या बड़ा नहीं है। संगठन की पहचान सभी सदस्यों की एकजुटता और उनके कार्यों से बनती है। बिहार प्रदेश अध्यक्ष प्रो. अरविंद नाथ तिवारी ने कहा कि पत्रकार की कलम में व्यवस्था और सत्ता को प्रभावित करने की ताकत होती है। स्वतंत्रता सेनानी एवं निर्भीक पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का मूल आधार निर्भीकता और सच्चाई है। उन्होंने कहा कि पत्रकार पेंशन योजना की घोषणा के बावजूद बहुत कम पत्रकारों को इसका लाभ मिल पा रहा है। ग्रामीण पत्रकारों को भी इस योजना से जोड़ने के लिए संगठन स्थानीय से प्रदेश स्तर तक प्रस्ताव तैयार कर सरकार के समक्ष अपनी मांग रखेगा। बैठक में महावीर अग्रवाल, बगहा अनुमंडल प्रभारी शिव तिवारी, अबू साबिर, संदीप चित्रांश, नरेंद्र पांडेय, नीरज मिश्रा, विवेक पांडेय, संजीव तिवारी, शमशाद अंसारी और अमन यादव सहित कई पत्रकार उपस्थित रहे।

असल सूरत की गलत व्याख्या

अदालत ने स्वीकार किया इंटरनेट की वर्तमान स्थिति बच्चों के लिए कतई सुरक्षित नहीं है। यह मानने के बावजूद जजों ने सुरक्षा की सारी जिम्मेदारी चाइल्ड मोड की सुविधा और माता-पिता की निगरानी पर डाल दी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि बच्चों को भी बालिगों की तरह इंटरनेट के उपयोग का अधिकार है। 'सुरक्षाÓ के नाम पर इंटरनेट तक उनकी पहुंच रोकी नहीं जा सकती। इस रूप में कोर्ट ने आधुनिक जीवन में इंटरनेट के महत्त्व को रेखांकित किया है। यह सराहनीय है कि कोर्ट ने प्रतिबंध ही सुरक्षा है, जैसी प्रशासनिक सोच को खारिज कर दिया। दरअसल, बच्चों को साइबरस्पेस से बाहर निकालना पीड़ित को ही समस्या मान लेने जैसा है। उचित ही न्यायालय ने इस नजरिए को ठुकरा दिया। इसके बावजूद इस फैसले में कई समस्याएं हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खुद अदालत ने स्वीकार किया इंटरनेट की वर्तमान स्थिति बच्चों के लिए कतई सुरक्षित नहीं है। यह मानने के बावजूद जजों ने सुरक्षा की सारी जिम्मेदारी चाइल्ड मोड की सुविधा और माता-पिता की निगरानी पर डाल दी। यानी सेवा प्रदाता प्लेटफॉर्म कंपनियों को जवाबदेही से पूरी तरह मुक्त कर दिया। कोर्ट ने इन कंपनियों से बाल यौन शोषण सामग्री हटाने को कहा तो है, लेकिन उनके अनिवार्य तकनीकी ऑडिट और सजा का कोई प्रावधान नहीं किया। अदालत की यह राय वाजिब है कि दूरदराज के इलाकों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के पास अक्सर सीखने और दुनिया से जुड़ने का एकमात्र माध्यम इंटरनेट ही होता है। लेकिन ऐसी स्थिति में प्लेटफॉर्म कंपनियों की जवाबदेही तय करने का सिस्टम और जरूरी हो जाता है। गरीब परिवारों में माता-पिता अक्सर डिजिटल साक्षर नहीं होते। उनके बच्चे सस्ते स्मार्टफोन के जरिए इंटरनेट का उपयोग करते हैं। डिवाइस सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, और सामग्री फिल्टरिंग के अभाव में इंटरनेट तक पहुंच का अधिकार किस हद तक सशक्तीकरण है, यह सवाल बना रहेगा। वैसे भारत में व्यापक दायरे में भी अधिकार और उसके उपभोग की स्थितियों ने एक विरोधाभास खड़ा कर रखा है। सुप्रीम कोर्ट पहले निर्णय दे चुका है कि बार-बार इंटरनेट शट-डाइन नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन है। लेकिन इससे शटडाउन पर रोक नहीं लगी है। भारत सबसे ज्यादा ऐसा शट-डाउन करने वाला देश बना हुआ है। इसीलिए अधिकार की हर न्यायिक घोषणा के व्यावहारिक महत्त्व पर अक्सर नया सवाल उठ खड़ा होता है।

सतत सड़क बुनियादी ढांचे की दिशा में भारत की यात्रा

हरित राजमार्ग

भारत का हरित राजमार्ग दृष्टिकोण वृक्षारोपण, जलवायु-अनुकूल डिजाइन और संसाधन-कुशल निर्माण के माध्यम से सड़क बुनियादी ढांचे में बदलाव ला रहा है। पिछले पांच वर्षों में, लगभग 1.32 लाख किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्गों पर 3.61 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं। मियावाकी वनों से लेकर पुनर्चक्रित निर्माण सामग्री और स्वदेशी जैव-बिटुमेन प्रौद्योगिकी तक, हरित पद्धतियां राजमार्ग विकास को आकार दे रही हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग हरित आवरण सूचकांक के माध्यम से उपग्रह-आधारित निगरानी हरित आवरण के वैज्ञानिक आकलन को मजबूत कर रही है। सामुदायिक पहल और परागणकर्ता गलियारे भी व्यापक पारिस्थितिक आयाम जोड़ रहे हैं।

सड़कें बनाना, हरियाली बढ़ाना भारत के राजमार्ग अब केवल संपर्क के गलियारे नहीं रह गए हैं। वे देश के व्यापक बुनियादी ढांचे में हो रहे बदलाव काएक महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहे हैं। जैसे-जैसे सड़क बुनियादी ढांचे का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे ऐसे गलियारे विकसित करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है, जो दक्ष, सुदृढ़ और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार हों। पिछले एक दशक में, भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में लगभग 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 2014 में 91,287 किलोमीटर से बढ़कर मार्च 2026 तक 1,46,572 किलोमीटर हो गया है। इस तेजी से हुए विकास ने संपर्क को मजबूत किया है, बाजारों तक पहुंच में सुधार किया है और लोगों तथा वस्तुओं की तेज आवाजाही में सहायता की है। जैसे-जैसे सड़क बुनियादी ढांचे का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे ऐसे गलियारे विकसित करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है, जो दक्ष, सुदृढ़ और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार हों। राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के किनारे बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, पुनर्चक्रित और अपशिष्ट से प्राप्त सामग्रियों का उपयोग, ऊर्जा-कुशल निर्माण पद्धतियां तथा हरित आवरण की उपग्रह-आधारित निगरानी अधिक टिकाऊ राजमार्ग नेटवर्क के निर्माण में योगदान दे रही हैं। हरीत हाईवे नीति, 2015: नीति का विकास भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को हरित बनाने का मार्गदर्शन हरित राजमार्ग (वृक्षारोपण, प्रतिरोपण, सौंदर्यीकरण और रखरखाव) नीति, 2015 द्वारा किया जाता है। इस नीति को निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए तैयार किया गया था: राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे वृक्षारोपण के लिए एक नीतिगत ढांचा विकसित करना। वायु प्रदूषण और धूल के प्रभाव को कम करना, क्योंकि पेड़ और झाड़ियां वायु प्रदूषकों के प्राकृतिक अवशोषक के रूप में जानी जाती हैं।

तटबंधों की ढलानों पर मृदा अपरदन को रोकना। हवा और आने वाले विकिरण के प्रभाव को कम करना। स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना। नीति के कार्यान्वयन में कई हितधारक मिलकर काम करते हैं। स्वीकृत कार्यों के दायरे के अनुसार स्वयं सहायता समूहों, निजी एजेंसियों, राज्य वन विभागों, वन निगमों और ठेकेदारों द्वारा वृक्षारोपण गतिविधियां की जाती हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और अन्य एजेंसियों के क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से समग्र निगरानी के लिए एक वृक्षारोपण प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है।

गलियारों को हरित बनाना: वृक्षारोपण और वनीकरण: राष्ट्रीय राजमार्गों को हरित बनाने के प्रयासों को अब राजमार्ग गलियारों के किनारे लगाए गए पौधों की संख्या, उनके जीवित रहने, वृद्धि और वितरण के आधार पर तेजी से मापा जा रहा है। जुलाई 2026 तक, पिछले पांच वर्षों के दौरान लगभग 1.32 लाख किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्गों पर 3.61 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। इस दृष्टिकोण का विस्तार अब केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें व्यापक पर्यावरण प्रबंधन को भी शामिल किया गया है। पहले, वृक्षारोपण की निगरानी मुख्य रूप से क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा स्थल पर जाकर की जाती थी। आज, इसे ड्रोन और उपग्रह-आधारित निगरानी से भी मजबूत किया जा रहा है। हरित आवरण बढ़ाने के लिए मियावाकी वृक्षारोपण भी शुरू किया गया है। जहां राजमार्ग विकास के लिए पेड़ों की कटाई आवश्यक होती है, वहां क्षतिपूरक वनीकरण और पेड़ों का प्रतिरोपण किया जा रहा है। वृक्षारोपण और भूदृश्य निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग विकास और परियोजना पूर्णता का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। एनएचएआई के सितंबर 2026 के दिशानिर्देश इस दृष्टिकोण को और मजबूत करते हैं। अनंतिम पूर्णता प्रमाणन के लिए वृक्षारोपण कार्य तभी अनुपालन योग्य माने जाएंगे, जब वृक्षारोपण के लिए निर्धारित उपलब्ध राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) के कम से कम 80 प्रतिशत हिस्से को कवर किया गया हो। आरओडब्ल्यू से आशय उस निर्धारित भूमि क्षेत्र से है, जो राजमार्ग बुनियादी ढांचे के निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए कानूनी रूप से आवश्यक होता है। निरीक्षण के समय लगाए गए पौधों की जीवित रहने की दर भी न्यूनतम 90 प्रतिशत होनी चाहिए। यही जीवित रहने का मानदंड संचालन और रखरखाव अवधि के दौरान भी लागू होगा तथा जो पौधे जीवित नहीं रह पाते हैं, उन्हें समय पर बदलने का प्रावधान होगा। अच्छी पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के लिए एनएचएआई ने 2025 में ग्रीन हाईवेज एक्सीलेंस अवार्ड्स की शुरुआत की। 2026 के पुरस्कारों में पौधों के जीवित रहने को सबसे अधिक महत्व दिया गया, साथ ही प्रजातियों की विविधता, देशज प्रजातियों के उपयोग, स्थल-विशिष्ट योजनाओं और संरक्षण उपायों को भी महत्व दिया गया।

एवेन्यू प्लांटेशन श्रेणी में, आंध्र प्रदेश में एनएच-16 पर चिलकलुरिपेट बाईपास के छह-लेन निर्माण को प्रथम पुरस्कार मिला। मीडियन प्लांटेशन श्रेणी में, एनएच-163 के हैदराबाद–यादगिरि खंड के चार-लेन निर्माण को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। प्लांटेशन इन लैंड पार्सल श्रेणी में एनएच-44, नागपुर पर जामठा क्लोवर लीफ ऑक्सीजन बर्ड पार्क को प्रथम पुरस्कार मिला। इन पुरस्कार विजेता प्रयासों से पता चलता है कि राजमार्ग का प्रत्येक हिस्सा हरियाली बढ़ाने और आसपास के परिदृश्य को मजबूत करने का अवसर बन सकता है। सतत सामग्रियों के उपयोग की दिशा में बदलाव: भारत के राजमार्ग भी जीवाश्म ईंधन-आधारित सामग्रियों से हटकर जैव-आधारित, पुनर्योजी समाधानों की ओर बढ़ रहे हैं। जनवरी 2026 में कृषि अवशेषों के पायरोलिसिस के माध्यम से उत्पादित जैव-बिटुमेन की प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक सफलता की घोषणा की गई। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एक ऐसी प्रक्रिया है, जो वैज्ञानिक निष्कर्षों, ज्ञान और बौद्धिक संपदा को विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों से सार्वजनिक और निजी उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाने में सक्षम बनाती है। पायरोलिसिस के माध्यम से जैव-बिटुमेन: कृषि अवशेषों से सड़कों तक नामक इस नवाचार को सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली और सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। बिटुमेन कार्बनिक द्रवों और हाइड्रोकार्बनों का मिश्रण है, जिसका उपयोग सड़क निर्माण में किया जाता है और इसे सड़क निर्माण उद्योग में काला सोना कहा जाता है। वर्तमान में, भारत अपनी बिटुमेन आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत आयात के माध्यम से पूरा करता है। जैव-बिटुमेन जैसे नवाचार आयात पर निर्भरता को कम करने के साथ-साथ घरेलू उत्पादन क्षमताओं को मजबूत कर सकते हैं।इस प्रक्रिया में पायरोलिसिस के माध्यम से जैव-तेल के उत्पादन के लिए कटाई के बाद प्राप्त धान के पुआल का फीडस्टॉक के रूप में उपयोग किया जाता है। इसके बाद जैव-तेल को पारंपरिक बिटुमेन के साथ मिलाकर जैव-बिटुमेन मिश्रण तैयार किया जाता है। इस प्रौद्योगिकी में बायोमास पायरोलिसिस का उपयोग कई प्रकार के मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार करने के लिए किया जाता है, जिनमें सड़कों के लिए जैव-बाइंडर, ऊर्जा-कुशल गैसीय ईंधन, जैव-कीटनाशक अंश और उच्च-ग्रेड कार्बन शामिल हैं। इन उत्पादों का उपयोग बैटरियों, जल शोधन और उन्नत सामग्रियों में किया जा सकता है, जिससे भविष्य के लिए उत्सर्जन-मुक्त और किफायती समाधान उपलब्ध होता है।

मेघालय में जोराबाट–शिलांग एक्सप्रेसवे (एनएच-40) पर जैव-बिटुमेन का उपयोग करते हुए 100 मीटर लंबे परीक्षण खंड का सफलतापूर्वक निर्माण किया गया है, जो इसकी व्यवहार्यता को दर्शाता है। यह प्रौद्योगिकी कृषि अवशेषों के प्रबंधन में भी सहायक है। इसे राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण मानकों में शामिल करने की योजना पर काम चल रहा है। इसके साथ ही, भारत उसी वर्ष जैव-बिटुमेन प्रौद्योगिकी को औद्योगिक और वाणिज्यिक स्तर तक पहुंचाने वाला पहला देश बन गया है। वैकल्पिक सामग्रियों की दिशा में बदलाव राजमार्ग निर्माण में पुनर्चक्रित और औद्योगिक उप-उत्पादों के बढ़ते उपयोग में भी दिखाई दे रहा है। ताप विद्युत संयंत्रों से प्राप्त उप-उत्पाद फ्लाई ऐश और पोंड ऐश का उपयोग तटबंधों और संरचनात्मक कार्यों में तेजी से किया जा रहा है। रीक्लेम्ड डामर पेवमेंट, निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट तथा पुनर्चक्रित समुच्चय का भी तकनीकी विनिर्देशों के अनुसार उपयुक्त राजमार्ग कार्यों में उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा, जिन अन्य सामग्रियों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है, उनमें प्लास्टिक अपशिष्ट, स्लैग, क्रम्ब रबर, जैव-बिटुमेन तथा अन्य पुनर्चक्रित या औद्योगिक उप-उत्पाद शामिल हैं। ये सभी पद्धतियां मिलकर संसाधनों के कुशल उपयोग में सुधार करती हैं, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करती हैं और राजमार्ग निर्माण से जुड़ी पर्यावरणीय चिंताओं के समाधान में मदद करती हैं।

भाई जी सुब्बाराव: गीत, सद्भाव और अहिंसा की अनथक यात्रा

कुमार कृष्णन

कुछ लोग अपने विचारों से पहचाने जाते हैं, कुछ अपने संघर्षों से और कुछ अपने जीवन जीने के ढंग से। एस. एन. सुब्बाराव ऐसे ही विरल गांधीवादी थे, जिनकी पहचान खादी की कमीज, आधी पैंट, चेहरे पर सहज मुस्कान और होठों पर गीतों से बनती थी। वे युवाओं को केवल उपदेश नहीं देते थे, उनके साथ श्रम करते थे और उन्हें विश्वास दिलाते थे कि समाज को बदलने के लिए हिंसा नहीं, मनुष्य के भीतर की अच्छाई को जगाना जरूरी है। चंबल के बीहड़ों में हथियार उठाए लोगों से संवाद हो या सांप्रदायिक हिंसा से घायल भागलपुर में सद्भाव की तलाश—सुब्बाराव का जीवन मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने की कोशिशों से बना था।

7 फरवरी 1929 को बेंगलुरु में जन्मे सुब्बाराव का निधन 27 अक्टूबर 2021 को जयपुर में हुआ। वे 'भाई जी' के नाम से लोकप्रिय थे। गांधीवादी विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने किशोरावस्था में ही भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लिया। 1942 में ब्रिटिश शासन के विरोध में नारे लिखने के कारण उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा ने उनके जीवन को सामाजिक पुनर्निर्माण की दिशा दी। उनके लिए आजादी केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं थी; वह भय, भेदभाव, हिंसा और अन्याय से मुक्त समाज बनाने का संकल्प भी थी। सुब्बाराव की विशेषता थी कि वे विचारों को जीवन से जोड़ते थे। गीत उनके लिए मनोरंजन नहीं, सामाजिक चेतना जगाने का माध्यम थे। वे अनेक भाषाओं के गीतों के जरिए युवाओं को राष्ट्रीय एकता और मानवीय संवेदना का संदेश देते थे। "जय जगत पुकारे जा, सिर अमन पर बारे जा", "युग जड़ता के खिलाफ, एक इन्कलाब है" और "जोड़ो भारत, जोड़ो भारत, नवयुग ने ललकारा है"—ऐसी पंक्तियां उनके विचारों की दिशा बताती हैं। "लहू का रंग एक है" का संदेश धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से ऊपर उठकर मनुष्य की साझा पहचान को सामने रखता था। उनके गीतों में बदलाव की आकांक्षा थी, लेकिन घृणा नहीं; संघर्ष का आह्वान था, लेकिन हिंसा का महिमामंडन नहीं। गांधी जन्मशती वर्ष 1969 में सुब्बाराव ने गांधी-दर्शन रेलयात्रा की परिकल्पना और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसका उद्देश्य गांधी के जीवन और विचारों को देश के छोटे-बड़े स्टेशनों, कस्बों और विद्यार्थियों तक पहुंचाना था। वे गांधी को स्मारकों और सरकारी समारोहों तक सीमित नहीं रखना चाहते थे। उनके लिए गांधी वर्तमान की समस्याओं से जूझने की कार्यपद्धति थे। युवाओं के लिए आयोजित श्रम शिविर भी इसी सोच का विस्तार थे। देश के विभिन्न हिस्सों से आए युवक-युवतियां गांवों में श्रम करते, सड़क निर्माण और दूसरे रचनात्मक कार्यों में भाग लेते तथा स्थानीय समुदायों के साथ समय बिताते थे। श्रम के बीच भाषा, जाति और प्रांत की दूरियां घटती थीं। सुब्बाराव मानते थे कि देशभक्ति केवल नारों में नहीं, बल्कि समाज के लिए काम करने में है। 1971 में स्थापित राष्ट्रीय युवा परियोजना के जरिए उन्होंने युवाओं को सामाजिक सेवा, सद्भाव और राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने का प्रयास किया। उनके जीवन का सबसे चर्चित अध्याय चंबल के बीहड़ों से जुड़ा है। चंबल लंबे समय तक डकैती, बंदूक और भय का पर्याय बना रहा। वहां सक्रिय गिरोहों के पीछे अपराध के साथ सामाजिक विषमता, बदले की परंपरा और स्थानीय सत्ता-संघर्ष जैसी जटिल परिस्थितियां भी थीं। केवल पुलिस की ताकत से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं था। जरूरी था कि हिंसा के रास्ते पर जा चुके लोगों से संवाद किया जाए और उन्हें समाज में लौटने का अवसर मिले। सुब्बाराव ने चंबल में रचनात्मक कार्य और संवाद के जरिए विश्वास बनाने की कोशिश की। इस व्यापक शांति-प्रक्रिया में विनोबा भावे, जयप्रकाश नारायण और अनेक गांधीवादी कार्यकर्ताओं की भूमिका रही। पी. वी. राजगोपाल भी इस प्रयास के सहभागी थे। राजगोपाल ने बाद में एकता परिषद के माध्यम से भूमिहीनों, आदिवासियों और वंचित समुदायों के भूमि तथा आजीविका अधिकारों के लिए देशव्यापी आंदोलन खड़ा किया। एकता परिषद और जय जगत के विवरण चंबल में सुब्बाराव, राजगोपाल और अन्य गांधीवादी कार्यकर्ताओं की साझा भूमिका का उल्लेख करते हैं। 27 सितंबर 1970 को स्थापित महात्मा गांधी सेवा आश्रम, जौरा, चंबल में शांति और रचनात्मक कार्यों का केंद्र बना। 14 अप्रैल 1972 को इसी आश्रम में मोहर सिंह, माधो सिंह सहित अनेक बागियों ने हथियार डाले। विभिन्न स्रोतों में आत्मसमर्पण करने वालों की संख्या अलग-अलग मिलती है, लेकिन 600 से अधिक बागियों के आत्मसमर्पण की प्रक्रिया से सुब्बाराव का नाम प्रमुखता से जुड़ा है। इस घटना का महत्व केवल बंदूकों के शांत होने में नहीं था। यह उस विश्वास की जीत थी कि हिंसा में फंसे मनुष्य को भी संवाद, पश्चात्ताप और पुनर्वास का अवसर दिया जा सकता है। आश्रम ने आत्मसमर्पण करने वाले लोगों और उनके पीड़ितों के परिवारों के कल्याण की दिशा में भी काम किया।

चंबल की यह कहानी अहिंसा को कमजोरी मानने वाली धारणा को चुनौती देती है। किसी हथियारबंद व्यक्ति से संवाद करना, उसके भीतर भरोसा जगाना और उसे हिंसा से बाहर आने के लिए तैयार करना साहस का काम है। लेकिन आत्मसमर्पण के बाद आजीविका, परिवार और सामाजिक पुनर्वास के सवालों का समाधान भी जरूरी है। सुब्बाराव की दृष्टि इसी व्यापक अर्थ में गांधीवादी थी—हिंसा रोकने के साथ उन परिस्थितियों को बदलना, जिनमें हिंसा पनपती है। इस विचार का एक दूसरा रूप 2012 के जनसत्याग्रह में दिखाई दिया। पी. वी. राजगोपाल और एकता परिषद के नेतृत्व में हजारों भूमिहीन तथा वंचित लोग भूमि, आवास और आजीविका के अधिकारों की मांग लेकर ग्वालियर से दिल्ली की ओर चले। 2 अक्टूबर 2012 को शुरू हुई इस पदयात्रा ने उन लोगों की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाया, जिनकी आजीविका जमीन और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर थी। आंदोलन के बाद सरकार के साथ दस सूत्री समझौता हुआ। चंबल में हथियार छोड़ने और जनसत्याग्रह में अधिकारों की मांग करने की परिस्थितियां अलग थीं, लेकिन दोनों में अहिंसक संघर्ष, संवाद और सामाजिक न्याय का साझा सूत्र था। सुब्बाराव के जीवन में सांप्रदायिक सद्भाव का अध्याय भी उतना ही महत्वपूर्ण है। 24 अक्टूबर 1989 को भागलपुर में शुरू हुई सांप्रदायिक हिंसा ने शहर और आसपास के क्षेत्रों को गहरे घाव दिए। लोगों की जान गई, परिवार उजड़े और समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सुशासन की मिसाल सीएम हेल्पलाइन- जनता की उम्मीदों पर खरी उतर रही डिजिटल पहल

धनंजय राठौर

शिकायत से समाधान तक का सफरआसान

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि इसमें शासन और प्रशासन सीधे जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं। सुशासन और पारदर्शी व्यवस्था की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा उठाया गया एक बेहद प्रभावी कदम सीएम हेल्पलाइन 1076 है। आज यह हेल्पलाइन राज्य के आम नागरिकों के लिए वरदान साबित हो रही है, जिसके माध्यम से घर बैठे उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और प्रशासनिक कामकाज की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया है कि हेल्पलाइन का उद्देश्य केवल शिकायतों के आंकड़ों को कम करना या पोर्टल पर उन्हें क्लोज करना नहीं है, बल्कि नागरिकों को वास्तविक और संतोषजनक समाधान दिलाना है।

मुख्यमंत्री का स्पष्ट संदेश- संवेदनशीलता, समयबद्धता और समाधान: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि उनकी अपेक्षा बहुत स्पष्ट है-जनता को अपनी समस्या लेकर भटकना न पड़े। अधिकांश अधिकारी-कर्मचारी अच्छा काम कर रहे हैं, जिनके परिश्रम की वे सराहना भी करते हैं। लेकिन कुछ लोगों की लापरवाही से पूरे प्रशासन की छवि खराब हो, यह उचित नहीं है। जो अच्छा काम कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा; जहां कमी है, वहां सुधार का अवसर मिलेगा; और जो लगातार लापरवाही करेंगे, उनकी जवाबदेही तय होगी। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 का मूल मंत्र संवेदनशीलता, समयबद्धता और समाधान होना चाहिए।

विस्तृत कार्यप्रणाली और अब तक के आंकड़े: छत्तीसगढ़ शासन के टोल-फ्री नंबर 1076 के माध्यम से नागरिक सरकारी सेवाओं और अपनी समस्याओं से जुड़ी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। यह कॉल सेंटर 24 घंटे और सातों दिन चालू रहता है। राज्य शासन के 49 विभागों के लगभग 8 हजार अधिकारी इससे जुड़े हुए हैं तथा 1195 श्रेणियों में निर्धारित समय-सीमा के भीतर शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था की गई है। सीएम हेल्पलाइन 1076 पर अब तक 2 लाख 45 हजार 376 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से 2 लाख 10 हजार 649 शिकायतों का सफल निराकरण किया जा चुका है। शेष 34 हजार 727 शिकायतों पर तीव्र गति से कार्रवाई जारी है। इस प्रकार, अब तक प्राप्त कुल शिकायतों में से 85.85 प्रतिशत का निराकरण किया जा चुका है।



किन विषयों पर की जा सकती है शिकायत?: सीएम हेल्पलाइन 1076 पर आम जनता से जुड़ी समस्याएं दर्ज कराई जा सकती हैं-बिजली संबंधी समस्याएं (जला हुआ ट्रांसफार्मर न बदलना, बिजली कटौती या बिल में गड़बड़ी), राजस्व से जुड़े मामले (खाता विभाजन, नामांतरण/फौती, जमीन-जायदाद के विवाद या सीमांकन में देरी), शासकीय दस्तावेजों के आवेदन (निवास, जाति प्रमाण पत्र आदि के खारिज होने या देरी होने पर), प्रशासनिक लापरवाही (थानेदार या तहसीलदार द्वारा सुनवाई न करना, रिपोर्ट न दर्ज करना), जनहित से जुड़ी योजनाएं (स्वास्थ्य, शिक्षा, राशन कार्ड, पेयजल, सड़क और पेंशन संबंधी दिक्कतें) शामिल की गई हैं।

धरातल पर दिख रहा बदलाव- त्वरित समाधान के उदाहरण: पामगढ़ (जांजगीर-चांपा) के ग्राम भवतरा निवासी श्री देवेंद्र दिनकर की राशन कार्ड संबंधी शिकायत प्राप्त होते ही त्रुटि का सुधार किया गया, जिससे उनका कार्ड पुनः सक्रिय हो गया और उन्हें नियमित राशन मिलने लगा। दुर्गूकोंदल (कांकेर) के ग्राम पंचायत चिखली के आश्रित ग्राम हडफ़ड़ में क्रेडा विभाग द्वारा कुछ ही घंटों के भीतर बिगड़े हुए सोलर पंप का तत्काल सुधार किया गया। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के खनिज विभाग ने अवैध रेत एवं गिट्टी परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 8 ट्रैक्टर वाहन जब्त किए। बसना (महासमुंद) के ग्राम केंवटापाली निवासी श्री खिरोद कुमार साव की ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) सब्सिडी से जुड़ी लंबित समस्या का परिवहन विभाग ने त्वरित समाधान कर राशि उपलब्ध कराई। तपकरा (जशपुर) के बुजुर्ग श्री त्रिपुरारी शर्मा की बंद हुई वृद्धावस्था पेंशन बहाल की गई। इसी क्षेत्र के श्री ओम प्रकाश की शिकायत पर जल प्रदाय योजना के तहत नया मोटर स्थापित कर पेयजल आपूर्ति सुचारू की गई, जिससे 200 परिवारों को राहत मिली। सरगुजा जिले के ग्राम करिया की 12वीं की छात्रा आराधना सिंह के आधार कार्ड में जन्मतिथि सुधरने से उनकी उच्च शिक्षा की राह आसान हुई।

प्रशासन और जनता के बीच मजबूत होती कड़ी: पहले आम नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं या योजनाओं के लाभ के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे। लेकिन सीएम हेल्पलाइन 1076 ने इस पूरी व्यवस्था को बदलकर रख दिया है। अब टेक्नोलॉजी के माध्यम से शासन सीधे जनता के दरवाजे पर नजर आता है।



मेष राशि: आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी योजनाएं बनाएंगे, जिनसे आपको फायदा ही फायदा होगा। आज आप अधिकतम समय धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे। आप अपने काम को जितनी तन्मयता और मेहनत से करेंगे, उसी के अनुरूप उचित परिणाम भी हासिल होंगे।

वृषभ राशि: आज परिवार का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते हैं, वे आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। लवमेट आज साथ में समय बिताएंगे। सामाजिक कामों में अपना योगदान देने से आपकी पहचान बढ़ेगी। आपकी लोकप्रियता के साथ-साथ जनसंपर्क का दायरा भी बढ़ेगा। कुछ राजनीतिक लोगों के साथ लाभदायक मुलाकात होगी।

मिथुन राशि: आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में खुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आज पिछले कुछ समय से चल रही किसी समस्या का समाधान मिलने वाला है, इसलिए पॉजिटिव रहें और अपने कामों पर ध्यान दें।

कर्क राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नई बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। कुछ दिनों से चल रही माता-पिता की नाराजगी आज आपसे खत्म होगी। राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा। आज किसी से लिए गए उधार से छुटकारा मिलेगा और आपकी टेंशन खत्म होगी। आज आप किसी अच्छी जगह घूमने जा सकते हैं।

कन्या राशि: आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। साथ ही किसी अच्छे रेस्टॉरेंट में भी जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को अधिकारियों से मदद मिलने से काम का बोझ कम हो जाएगा।

तुला राशि: आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी बात को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे, जिसे आप अपने किसी खास मित्र से शेयर भी करेंगे। इससे आपको राहत मिलेगी। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी देखने का प्लान बन सकता है। दोस्तों की बर्थडे पार्टी में जाएंगे, जहां बाकी दोस्तों के साथ एंजॉय करने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है, जिसके लिए आपको ओवरटाइम करना पड़ेगा। रुपये-पैसों के मामले में लापरवाही नहीं करेंगे, तो नुकसान से बच जाएंगे। टूर-ट्रैवल्स और मीडिया संबंधी बिजनेस में नया मोड़ आ सकता है। आज आपको किसी करीबी से ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा।

धनु राशि: आज आपकी हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जाएगा। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ पिकनिक पर जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आज का दिन महिलाओं के लिए बहुत ही अनुकूल है। आपका काम सरल तरीके से होता रहेगा। पारिवारिक और व्यक्तिगत गतिविधियों में उचित सामंजस्य बनाए रखने में कामयाब रहेंगे।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू कामकाज में लगेगा। आज बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को कह सकते हैं। डिप्लोमा की तैयारी कर रहे छात्रों को आज ज्यादा पढ़ाई करने की जरूरत है।

मीन राशि:आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे और आप उन्हें निराश नहीं करे

दीपा मलिक ने 28वीं विश्व पैरा आर्मरि सलिंग चैंपियनशिप का किया उद्घाटन

एजेंसी, नई दिल्ली



भारत की पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता एवं पद्मश्री सम्मानित दीपा मलिक ने रविवार को पूर्वी दिल्ली स्थित एक होटल में 28वीं विश्व पैरा आर्मरसलिंग चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। यह प्रतियोगिता 47वीं विश्व आर्मरसलिंग चैंपियनशिप के साथ आयोजित की जा रही है, जो 26 अक्टूबर से शुरू होकर 7 नवंबर तक चलेगी। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में दुनिया के 60 से अधिक देशों के 400 से ज्यादा पैरा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह में भारतीय पैरालंपिक समिति के उपाध्यक्ष और पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में भारतीय दल के पूर्व शेफ डी मिशन सत्य प्रकाश सांगवान भी मौजूद रहे। डॉ. दीपा मलिक वर्तमान में एशियाई पैरालंपिक समिति के कार्यकारी बोर्ड में दक्षिण एशिया की उप-क्षेत्रीय प्रतिनिधि के रूप में कार्यरत हैं। वह भारतीय पैरालंपिक समिति की पूर्व अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए दीपा मलिक ने सभी खिलाड़ियों और प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने पीपुल्स आर्मरसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की अध्यक्ष, एशियन आर्मरसलिंग फेडरेशन की उपाध्यक्ष एवं प्रो पंजा लीग क सह संस्थापक प्रीति झंगियानी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रीति झंगियानी के माध्यम से उन्हें विश्व आर्मरसलिंग महासंघ के अध्यक्ष एसेन हाडजिटोदोरोव और महासचिव मिर्सिया सिमियोनेस्कु-सिमिसेल से जुड़ने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि खेल का असली उद्देश्य दोस्ती को बढ़ावा देना, बाधाओं को दूर करना और सीमाओं से आगे बढ़कर लोगों को एकजुट करना है। खेल हमें अलग-अलग संस्कृतियों को समझने और एक-दूसरे से सीखने का अवसर देता है। यही सच्ची खेल भावना है। दीपा मलिक ने कहा कि 60 से अधिक देशों के 400 से ज्यादा पैरा खिलाड़ियों का भारत में एक साथ जुटना देश में समावेशी खेल व्यवस्था के विकास को दर्शाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी के लिए समान अवसर और समावेशी विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि जब भारत को बुल्गारिया में इन चैंपियनशिप की मेजबानी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, तब वह स्वयं वहां मौजूद थीं। अब इसे साकार होते देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन के लिए प्रीति झंगियानी और प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास का आभार व्यक्त किया। दीपा मलिक ने कहा कि पैरा आर्मरसलिंग बहुत ही लोकप्रिय खेल बनता जा रहा है। खुद एक एथलीट होने के नाते, यह मेरे लिए व्यक्तिगत खुशी की पल है। भारत में अभी त्योहारों का समय भी है और कुछ ही दिनों में हम दिवाली मनाएंगे इसलिए मेरी तरफ से सभी को त्योहारों की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मैं उम्मीद करती हूं कि यह खेल आयोजन सभी के लिए बहुत शानदार रहे। सत्य प्रकाश सांगवान ने आयोजन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि भारत में इतनी बड़ी संख्या में विभिन्न देशों के खिलाड़ियों का पहुंचना खुशी की बात है। उन्होंने सभी आयोजकों, विशेष रूप से प्रीति झंगियानी को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

नई दिल्ली में फिटनेस का उत्साह, 'संडे ऑन साइकिल' में जुटे 1,000 प्रतिभागी

एजेंसी, नई दिल्ली



फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 97वें संस्करण का आयोजन रविवार को नई दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम में किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस और ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह के उपलक्ष्य में इस कार्यक्रम की थीम 'एक सप्ताह, सात कदम, एक धरती' रखी गई। कार्यक्रम में करीब 1,000 फिटनेस प्रेमियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यह आयोजन देशभर में एक साथ चलाए जा रहे फिट इंडिया के संडे ऑन साइकिल अभियान का हिस्सा रहा। दिसंबर 2024 में शुरू हुए इस अभियान के तहत अब तक देशभर के करीब 31,000 स्थानों पर लगभग 37 लाख लोग भागीदारी कर चुके हैं। यह आंकड़ा देश में फिटनेस के प्रति बढ़ती जागरूकता और लोगों की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शामिल जाने-माने बॉडीबिल्डर दीपक शर्मा ने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि यहां फिटनेस का जोश और ऊर्जा देखने लायक है। युवाओं को इस पहल से जुड़ते देखना बेहद उत्साहजनक है। जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हम सभी को ऐसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए और फिटनेस को अपनी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दो साल से भी कम समय में देशभर के करीब 37 लाख लोगों का संडे ऑन साइकिल अभियान से जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि लोगों में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

फिटनेस ही वास्तविक संपत्ति है और हमें 'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' के मंत्र को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में फिटनेस, खेल, योग, शिक्षा और साइकिलिंग से जुड़ी कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने भी भाग लिया। इसमें राष्ट्रीय स्तर की टेबल टेनिस खिलाड़ी, फिटनेस कोच और प्रमाणित योग प्रशिक्षक ज्योति भारती तथा योग एवं मेडिटेशन कोच पंखुड़ी श्रीवास्तव शामिल रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत पंखुड़ी श्रीवास्तव के नेतृत्व में नशा मुक्त भारत की शपथ के साथ हुई। इस दौरान प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। इसके बाद निर्धारित मार्ग पर 5 किलोमीटर की साइकिल रैली निकाली गई। सभी आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कई आकर्षक गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

मुरादाबाद निवासी अनुभव चौधरी ने जापान में हुए पैरा एशियन गेम्स में जीता ब्राउन्स मेडल

मुरादाबाद



मुरादाबाद निवासी अनुभव चौधरी को जापान में हुए पैरा एशियन गेम्स में 100 मीटर में ब्राउन्स मेडल हासिल करने पर शनिवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम रामगंगा विहार मुरादाबाद में सम्मानित किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश ब्लाइंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव डॉ अजय पाठक ने बताया कि अनुभव चौधरी ने जापान में आयोजित पैरा एशियन गेम्स में ब्राउन मेडिकल हासिल करके पीतलनगरी मुरादाबाद के साथ उत्तर प्रदेश का नाम भी देश भर में चमका दिया है। अनुभव चौधरी के स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम में डॉ अजय पाठक के अलावा क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा, क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार, पूर्व क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी प्रेम कुमार एवं सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के समस्त कोच एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश टीम में बदलाव

एजेंसी, नई दिल्ली



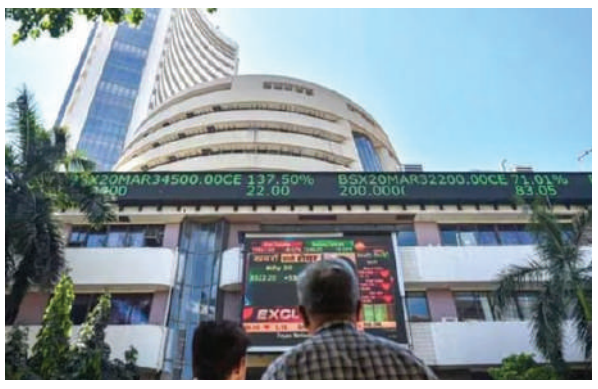
बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय टीम में बदलाव किया है। यह मैच पांच नवंबर से सिलहट (बांग्लादेश) में खेला जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि मोमिनुल हक की जगह अमिते हसन को टीम में शामिल किया गया है। मोमिनुल 'कन्कशन' (सिर की चोट) के कारण अनिवार्य सात दिनों के आराम (स्टैंड-डाउन पीरियड) पर हैं इसलिए वे उपलब्ध नहीं हैं। पहले टेस्ट मैच में फील्डिंग करते समय सिर में चोट लगने के कारण मोमिनुल हक टीम से बाहर हुई हैं। मैच के दौरान उनकी जगह जाकेर अली को मैदान में उतारा गया था। आईसीसी के कन्कशन दिशा-निर्देशों के अनुसार, उन्हें वापसी से पहले कम से कम सात दिन का अनिवार्य विश्राम करना होगा। टीम में शामिल किए गए विकेटकीपर-बल्लेबाज अमिते हसन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना पदार्पण किया था। अभी तक हसन ने केवल एक टेस्ट मैच खेला है। हालांकि उनके पास घरेलू क्रिकेट में अच्छा रिकॉर्ड है। उन्होंने 54 मैचों में 50.50 के औसत से 4040 रन बनाए हैं। पहले टेस्ट में हार के कारण बांग्लादेश की टीम मौजूदा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में चौथे से फिसलकर पांचवें स्थान पर आ गई है।

वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम : नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), शादमान इस्लाम, तंजीद हसन, तौहीद हृदोय, लिटन दास, जाकेर अली, मेहदी हसन मिराज, नईम हसन, हसन महमूद, तैजुल इस्लाम, शरिफुल इस्लाम, मुश्फिकुर रहीम, तस्कीन अहमद, इबादत हुसैन, अमिते हसन।

बिजनेस

नवंबर में शेयर बाजार में सिर्फ 19 दिन होगा कारोबार, 11 दिन रहेगी छुट्टी

एजेंसी, नई दिल्ली



अक्टूबर का महीना विदा हो रहा है और नए महीने नवंबर की शुरुआत होने जा रही है। ऐसे समय में अगर आप भी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में ट्रेडिंग या निवेश करते हैं तो यह खबर आपके लिए ही है। शेयर बाजार में इस महीने कुल 11 दिन ट्रेडिंग नहीं होगी। मतलब 30 दिन के इस महीने में सिर्फ 19 दिन ही शेयर बाजार में कारोबार होगा। शेष 11 दिन छुट्टी रहेगी। आमतौर पर शेयर बाजार और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में हर हफ्ते शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश रहता है। साप्ताहिक अवकाश के अलावा कुछ खास त्योहारों और राष्ट्रीय अवकाशों पर भी बाजार में छुट्टी घोषित की जाती है। नवंबर के इस महीने में शनिवार और रविवार को मिलाकर कुल 9 दिन का साप्ताहिक अवकाश रहेगा। इसके अलावा, कामकाजी दिनों के दौरान इस महीने दो त्योहारों की वजह से भी बाजार पूरी तरह बंद रहेगा। सबसे पहले 10 नवंबर को दिवाली-बलिप्रतिपदा के अवसर पर शेयर बाजार में छुट्टी होने की वजह से ट्रेडिंग नहीं होगी। इसके बाद 24 नवंबर को गुरु नानक देव जी के प्रकाश गुरुपरब के मौके पर भी दोनो स्टॉक एक्सचेंज और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अवकाश रहेगा। इन दोनों तारीखों यानी 10 और 24 नवंबर को बीएसई और एनएसई के मुख्य सेगमेंट्स जैसे इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स और करेंसी डेरिवेटिव्स में पूरी तरह से छुट्टी रहेगी। हालांकि, कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) में पूरी तरह से तालाबंदी नहीं होगी। इन सेगमेंट्स में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक का सुबह का सत्र तो बंद रहेगा लेकिन शाम 5 बजे से रात 11:30 और रात 11:55 बजे तक का शाम का सत्र हमेशा की तरह खुला रहेगा। यही नियम मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी लागू होगा। इस बार 8 नवंबर को दीपावली का त्योहार मनाया जाएगा। इस दिन रविवार होने के कारण शेयर बाजार का नियमित कारोबार तो बंद रहेगा लेकिन भारतीय शेयर बाजार की सालों पुरानी परंपरा के मुताबिक दोपहर बाद 1 घंटे के लिए 'मुहूर्त ट्रेडिंग' का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। बीएसई और एनएसई दोनों प्रमुख एक्सचेंजों ने इस दिन के इस खास सत्र पर ट्रेडिंग के समय (टाइम टेबल) का निर्धारण कर दिया है। दीपावली के दिन होने वाले कारोबार के लिए निर्धारित किए गए टाइम टेबल के अनुसार 8 नवंबर को ट्रेडिंग मेंबर्स का लॉगिन दोपहर 1:15 बजे से 1:50 बजे तक होगा। वहीं, ब्लॉक डील विंडो दोपहर 1:50 बजे से 2:05 बजे तक खुला रहेगा। इसके बाद दोपहर 2:05 बजे से 2:15 बजे तक प्री-ओपन सेशन चलेगा, जबकि दोपहर 2:20 बजे से शाम 3:30 बजे तक मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए मुख्य ट्रेडिंग विंडो खुला रहेगा। इसके बाद पीरियोडिक कॉल ऑक्शन का समय दोपहर 2:25 बजे से 3:20 बजे तक, क्लोजिंग ऑक्शन सेशन का समय दोपहर 3:15 बजे से 3:35 बजे तक और पोस्ट-क्लोजिंग सेशन के लिए दोपहर 3:50 बजे से शाम 4:00 बजे तक का समय तय किया गया है। नवंबर में साप्ताहिक अवकाश मिलाकर होने वाली इन 11 छुट्टियों के बीत जाने के बाद साल 2026 के आखिरी महीने दिसंबर में शनिवार और रविवार के अलावा सिर्फ एक और ट्रेडिंग हॉलिडे बचेगा। साल का आखिरी आधिकारिक अवकाश क्रिसमस के मौके पर 25 दिसंबर को रहेगा। इस दिन शेयर बाजार पूरी तरह से बंद रहेगा।

आईडीबीआई बैंक कर्मचारी फोरम ने फेयरफैक्स को बहुलांश हिस्सेदारी बेचने का किया विरोध, संसदीय जांच की मांग की

एजेंसी, नई दिल्ली



आईडीबीआई अधिकारियों और कर्मचारियों के संयुक्त मंच ने आईडीबीआई बैंक में बहुलांश हिस्सेदारी कनाडा की फेयरफैक्स को बेचने के प्रस्ताव का विरोध किया है। इसके साथ ही उन्होंने इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने और संसदीय समीक्षा के तहत इसकी पूरी जांच की मांग की है। बैंक कर्मचारी फोरम ने शनिवार को फेयरफैक्स को बहुलांश हिस्सेदारी बेचने का विरोध किया और संसदीय समीक्षा की मांग की है। फोरम ने केंद्र सरकार द्वारा बैंक की 60.72 फीसदी हिस्सेदारी को कनाडा की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को लगभग 53 हजार करोड़ रुपये में बेचने के फैसले का सख्त विरोध किया है। बैंक कर्मचारी संघों का मानना है कि यह फैसला गलत समय पर लिया गया है और इसके लिए कोई ठोस तर्क नहीं दिया गया है। बाजार की अस्थिर स्थिति को देखते हुए सावधानी बरतने और इसके मूल्यांकन में पारदर्शिता रखने तथा इस पर व्यापक सार्वजनिक चर्चा करने की भी जरूरत है। आईडीबीआई बैंक अधिकारी संघ के अध्यक्ष सुराव कुमार ने कहा, "हमारे बैंक को बेचने का कोई कारण नहीं है, खासकर किसी विदेशी कंपनी को।" बैंक में 60.72 फीसदी को बिक्री के विरोध में ऑल इंडिया आईडीबीआई ऑफिसर्स एसोसिएशन और अखिल भारतीय औद्योगिक विकास बैंक कर्मचारी संघ के संयुक्त मंच ने इस सौदे के खिलाफ 2 एवं 3 नवंबर 2026 को देशभर में भूख हड़ताल करने की घोषणा की है। इसके अलावा फोरम के संयोजक देवीदास तुलजापुरकर ने इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने और पूरे मामले की संसदीय समीक्षा कराने की मांग की है। उन्होंने इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने और संसद की निगरानी में इसकी व्यापक समीक्षा करने की मांग की है। इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी बैंक कर्मचारियों का समर्थन किया है और सरकार पर मुनाफा कमाने वाले बैंक को बेचने पर सवाल उठाए हैं, जबकि सरकार का कहना है कि स्वतंत्र पेशेवर एजेंसियों द्वारा उचित मूल्यांकन किया गया है। वहीं, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राहुल के सवाल पर पलटवार भी किया था। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने 14 अक्टूबर 2026 को इस सौदे को मंजूरी दी थी, जिसमें सरकार की 30.48 फीसदी (लगभग 26,620 करोड़ रुपये) और एलआईसी की 30.24 फीसदी (लगभग 26,440 करोड़ रुपये) हिस्सेदारी शामिल है। भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी मिलने के बाद ये सौदा चालू वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।

केंद्र ने पेट्रोल निर्यात पर विंडफॉल टैक्स किया जीरो, डीजल और एटीएफ पर ड्यूटी बढ़ाई

नई दिल्ली



केंद्र सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफॉल गेन्स टैक्स को बढ़ा दिया। वहीं, पेट्रोल पर इस ड्यूटी को घटाकर शून्य कर दिया है। यह बदलाव 31 अक्टूबर से शुरू होने वाली 15 दिनों की अवधि के लिए लागू होंगे। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जारी अधिसूचना में कहा कि शुल्क में बदलाव 31 अक्टूबर से प्रभावी हो गया है। अधिसूचना के मुताबिक इस पखवाड़े एटीएफ के निर्यात के लिए विंडफॉल शुल्क 10.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 11 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया। वहीं, डीजल के निर्यात पर सड़क और बुनियादी ढांचा उपकर के साथ ही विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क की दर 8.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर अब 11.5 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि अगले पखवाड़े के लिए पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क को 2.5 रुपये प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया गया है। इसके अलावा मंत्रालय ने यह भी कहा कि घरेलू खपत के लिए बेचे जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर भी मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच ईंधन की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया था। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार ने 27 मार्च को डीजल और एटीएफ पर निर्यात शुल्क लगाया था।

जतिन कुमार नायक ने इरेडा के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक का पदभार संभाला

एजेंसी, नई दिल्ली । जतिन कुमार नायक ने भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाल लिया है। कंपनी ने शनिवार को एक बयान में बताया कि जतिन कुमार नायक ने 31 अक्टूबर को भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड के नए चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक का पदभार संभाल लिया है। जतिन कुमार नायक इससे पहले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आरईसी लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक (वित्त) के पद पर कार्यरत थे। नायक को तीन दशक से अधिक का व्यापक और विविध अनुभव है। वह आरईसी की अनुषंगी कंपनी आरईसी ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड में मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। नायक ने अपने करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने एनएचपीसी, हिंदुस्तान कॉपर, नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) और नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड में भी काम किया है। उनका अनुभव बिजली क्षेत्र के साथ-साथ खनन एवं धातु जैसे संसाधन-आधारित उद्योगों में भी रहा है। उल्लेखनीय है कि नायक ने ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित उत्कल विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है।

टाटा समूह से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रख रहा है सेबीः तुहिन कांत पांडेय

एजेंसी, नई दिल्ली/कोलकाता

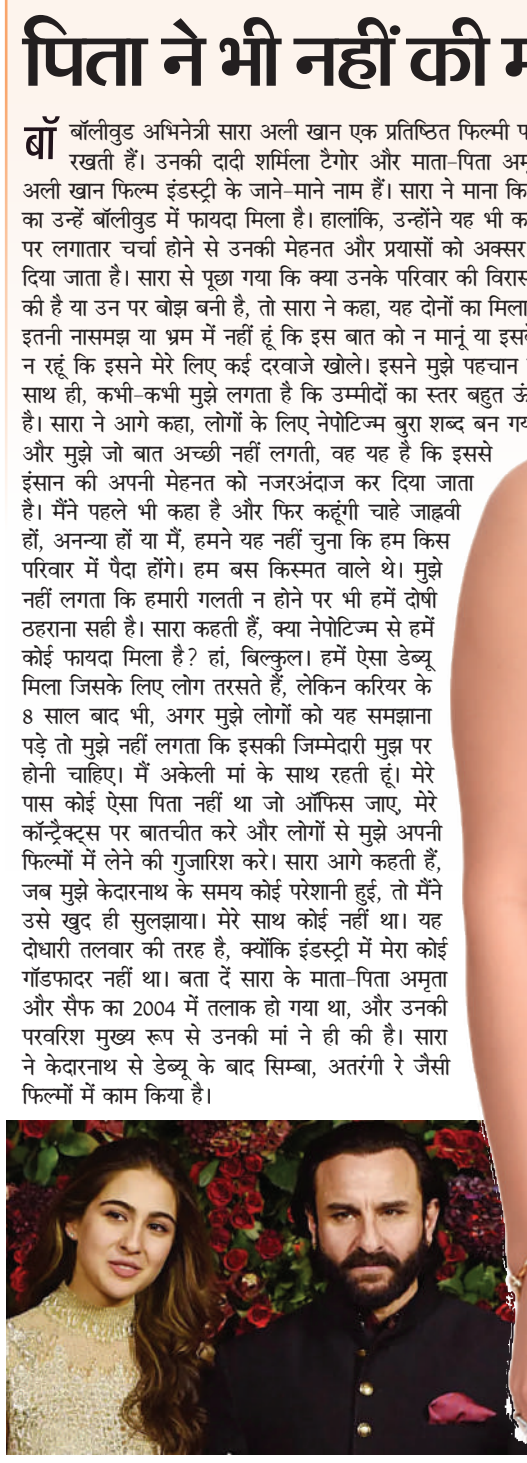


भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को कहा कि बाजार नियामक टाटा समूह की मूल कंपनी के स्तर में प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रख रहा है। तुहिन कांत पांडे ने कोलकाता में 'भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स' के 125 वें वर्षगांठ समारोह और इन्वेस्टर फोरम के शुभारंभ पर यहां आयोजित "बिल्डिंग इंडियाज वर्ल्ड-क्लास कैपिटल मार्केट" कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बात कही। पूंजी बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन ने अपने संबोधन में कहा कि टाटा समूह की सूचीबद्ध कंपनियां और उनके प्रवर्तक भी सेबी के खुलासे तथा अनुपालन संबंधी नियमों के दायरे में आते हैं। सेबी चेयरमैन की यह टिप्पणी टाटा समूह की मूल कंपनी टाटा संस में प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर मतभेदों के बीच आई है। इनमें एन. चंद्रशेखरन की चेयरमैन के रूप में दोबारा नियुक्ति और कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराने का प्रस्ताव शामिल है। उन्होंने पूंजी जुटाने की प्रक्रियाओं को आसान बनाने पर विशेष बल दिया। तुहिन पांडेय ने भारत चैंबर इन्वेस्टर्स फोरम की शुरुआत के मौके पर आयोजित कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, ''मूल कंपनी के स्तर पर कुछ मुद्दे हैं, जो वास्तव में सूचीबद्ध कंपनी नहीं है। समूह की बाकी सूचीबद्ध कंपनियां सभी एलओडीआर (सूचीबद्धता दायित्व एवं खुलासा आवश्यकताएं) नियमों का पालन करती हैं।'' उन्होंने कहा कि इन सूचीबद्ध कंपनियों और उनके प्रवर्तकों पर सेबी के सभी नियम लागू होते हैं।

सारा अली खान ने की नेपोटिज्म पर बात, बोलीं-नहीं था गॉडफादर

पिता ने भी नहीं की मदद

बॉ बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान एक प्रतिष्ठित फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनकी दादी शर्मिला टैगोर और माता-पिता अमृता सिंह व सैफ अली खान फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने नाम हैं। सारा ने माना कि स्टार किड होने का उन्हें बॉलीवुड में फायदा मिला है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि नेपोटिज्म पर लगातार चर्चा होने से उनकी मेहनत और प्रयासों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। सारा से पूछा गया कि क्या उनके परिवार की विरासत ने उनकी मदद की है या उन पर बोझ बनी है, तो सारा ने कहा, यह दोनों का मिला-जुला रूप है। मैं इतनी नासमझ या भ्रम में नहीं हूं कि इस बात को न मानूं या इसके लिए आभारी न रहूं कि इसने मेरे लिए कई दरवाजे खोले। इसने मुझे पहचान दी है, लेकिन साथ ही, कभी-कभी मुझे लगता है कि उम्मीदों का स्तर बहुत ऊंचा हो जाता है। सारा ने आगे कहा, लोगों के लिए नेपोटिज्म बुरा शब्द बन गया और मुझे जो बात अच्छी नहीं लगती, वह यह है कि इससे इंसान की अपनी मेहनत को नजरअंदाज कर दिया जाता है। मैंने पहले भी कहा है और फिर कहूंगी चाहे जाह्नवी हों, अनन्या हों या मैं, हमने यह नहीं चुना कि हम किस परिवार में पैदा होंगे। हम बस किस्मत वाले थे। मुझे नहीं लगता कि हमारी गलती न होने पर भी हमें दोषी ठहराना सही है। सारा कहती हैं, क्या नेपोटिज्म से हमें कोई फायदा मिला है? हां, बिल्कुल। हमें ऐसा डेब्यू मिला जिसके लिए लोग तरसते हैं, लेकिन करियर के 8 साल बाद भी, अगर मुझे लोगों को यह समझाना पड़े तो मुझे नहीं लगता कि इसकी जिम्मेदारी मुझ पर होनी चाहिए। मैं अकेली मां के साथ रहती हूं। मेरे पास कोई ऐसा पिता नहीं था जो ऑफिस जाए, मेरे कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत करे और लोगों से मुझे अपनी फिल्मों में लेने की गुजारिश करे। सारा आगे कहती हैं, जब मुझे केदारनाथ के समय कोई परेशानी हुई, तो मैंने उसे खुद ही सुलझाया। मेरे साथ कोई नहीं था। यह दोधारी तलवार की तरह है, क्योंकि इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था। बता दें सारा के माता-पिता अमृता और सैफ का 2004 में तलाक हो गया था, और उनकी परवरिश मुख्य रूप से उनकी मां ने ही की है। सारा ने केदारनाथ से डेब्यू के बाद सिम्बा, अतरंगी रे जैसी फिल्मों में काम किया है।



नरेन वनपर्थी और साहिती अवंचा अभिनीत रोमांटिक फिल्म मेट्रो लवर टीज़र जारी

20 नवंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी

अ अभिनेता नरेन वनपर्थी और अभिनेत्री साहिती अवंचा की आगामी रोमांटिक फिल्म 'मेट्रो लवर 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। महेश नम्पल्ली के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण मल्या कंडुकुरी, शिवकुमार राजमपेटा, गड्डम रवि कुमार और संतोष जाधव ने किया है। फिल्म का संगीत भीम सेसिरोलियो ने तैयार किया है।

हाल ही में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में फिल्म का पहला दृश्य-प्रचार जारी किया गया। इस अवसर पर निर्देशक त्रिनाधा राव नक्कीना भी मौजूद रहे। उन्होंने अभिनेता नरेन के अभिनय के प्रति समर्पण की सराहना की। साथ ही उन्होंने फिल्म की कहानी, छायांकन और भीम के संगीत को भी प्रभावशाली बताया। 'ऊरिकि उत्तरना से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले नरेन ने कहा कि 'मेट्रो लवर की कहानी बिल्कुल अलग अंदाज में प्रस्तुत की गई है। उनका मानना है कि फिल्म दर्शकों को चौंकाने के साथ ही मनोरंजन का नया अनुभव देगी। संगीतकार भीम सेसिरोलियो ने बताया कि फिल्म का निर्माण बेहद करीबी और समर्पित टीम के साथ किया गया है। इसकी मूल अवधारणा को लेकर किसी तरह का समझौता नहीं किया गया। वहीं निर्देशक महेश नम्पल्ली ने कहा कि फिल्म में ऐसी कहानी दिखाई गई है, जिसे पहले इस अंदाज में प्रस्तुत नहीं किया गया है। आधुनिक महानगरीय परिवेश में रचे गए प्रेम और रिश्तों के ताने-बाने पर आधारित इस फिल्म से युवा दर्शकों को विशेष रूप से जुडने की उम्मीद है। अब दर्शकों को इसके प्रदर्शन का इंतजार है।



सुशांत सिंह के घर में रहने के लिए हिम्मत की जरुरत नहीं: अदा शर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी सादगी और बेबाक शैली के कारण बॉलीवुड में एक अलग पहचान रखती हैं। वर्तमान में अदा शर्मा मुंबई के उस अपार्टमेंट में किराए पर रह रही हैं, जहां कभी दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत रहा करते थे। अदा शर्मा के इस घर में रहने के निर्णय को लेकर लोग एक साहसिक कदम के रूप में देखते है। अदा शर्मा ने हाल ही में स्पष्ट किया कि इस घर में रहने के लिए किसी विशेष हिम्मत की आवश्यकता नहीं है, बल्कि यह उनकी अपनी पसंद और मानसिक सुकून से जुड़ा एक साधारण फैसला है। एक सवाल का जवाब देते हुए अदा शर्मा ने कहा कि उस घर में रहने को हिम्मत का नाम देना सही नहीं है। वे उस अपार्टमेंट में एक किराएदार के तौर पर रह रही हैं, ठीक उसी तरह जैसे सुशांत सिंह राजपूत भी वहां किराए पर रहते थे। उन्होंने कहा कि वे खुद को एक अच्छी और सकारात्मक सोच वाली इंसान मानती हैं और सुशांत भी एक बेहद बेहतरीन व्यक्ति थे। ऐसे में एक अच्छे और खूबसूरत घर में रहने के लिए किसी प्रकार के डर या हिम्मत की जरूरत होने का प्रश्न ही नहीं उठता। घर तो वह स्थान होता है जहां व्यक्ति को शांति मिलती है।

बॉक्स ऑफिस पर रजनीकांत की जेलर 2 ने तोड़े रिकॉर्ड

दृश्यम 3 और उड़ता तीर का भी जलवा

व वर्ष 2026 में बॉक्स ऑफिस पर कई बड़ी फिल्मों के बीच कमाई की होड़ जारी है। सुपरस्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जेलर 2 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 'धुरंधर 2 को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म अब वर्ष 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। इसके साथ ही इसने अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म का खिताब भी अपने नाम कर लिया है। दूसरी ओर, अजय देवगन की 'दृश्यम 3 सिनेमाघरों में अपनी पकड़ बनाए हुए है, जबकि आयुष्मान खुराना की 'उड़ता तीर भी धीमी गति से लगातार कमाई कर रही है। शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 को सामने आए शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, 'जेलर 2 ने रिलीज के 16वें दिन लगभग 5 .50 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म का भारत में अब तक का कुल शुद्ध संग्रह 435 .40 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, विदेशों में इसने लगभग 3 करोड़ रुपये की कमाई की है। विदेशी बाजारों से फिल्म का कुल कारोबार 267 .50 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। इस तरह फिल्म का दुनिया भर में कुल संग्रह 776 .95 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म ने कमाई के मामले में 'गदर 2 का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया है। 'गदर 2 ने रिलीज के शुरुआती 16 दिनों में



439 .95 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि उसका दुनिया भर का कुल कारोबार लगभग 573 .63 करोड़ रुपये रहा था। 'जेलर 2 की सफलता ने रजनीकांत की लोकप्रियता और फिल्म के प्रति दर्शकों के उत्साह को एक बार फिर साबित किया है। फिल्म में रजनीकांत 'टाइगर मुथुवेल पांडियन की भूमिका में नजर आ रहे हैं। कहानी में मुथुवेल अपने परिवार के साथ कोयंबटूर के अनाईकट्टी के पास एक सुपरमार्केट में पर्यवेक्षक के रूप में काम करते हुए सामान्य और शांत जीवन बिता रहे हैं। उनकी पत्नी विजया, बहू श्वेता और परिवार के अन्य सदस्यों को उनके अतीत की पूरी जानकारी नहीं है। वह अपने पुराने खूनी अतीत से दूर रहकर गुमनाम जिंदगी जीना चाहते हैं। पहली फिल्म में वर्मन और उसके बेटे की हत्या के बाद वर्मन का करीबी सहयोगी दिलीप और अंतरराष्ट्रीय मूर्ति तस्करी गिरोह हत्यारे का पता लगाने में जुट जाते हैं। जांच के दौरान यह गिरोह मुथुवेल पांडियन तक पहुंच जाता है और उसके परिवार तथा करीबियों को धमकियां देने लगता है। इसके बाद मुथुवेल के शांत जीवन में फिर से उथल-पुथल मच जाती है। अजय देवगन अभिनीत 'दृश्यम 3 : द कन्क्लूजन भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी हुई है। फिल्म ने रिलीज के 29वें दिन शुक्रवार को लगभग एक करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही भारत में इसका कुल शुद्ध संग्रह 374 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं, दुनिया भर में फिल्म की कुल कमाई 580 करोड़ रुपये के पार हो चुकी है। फिल्म में विजय सलगांवकर एक बार फिर अपने परिवार को पुलिस और कानून के शिकंजे से बचाने के लिए नया और पेचीदा दिमागी खेल खेलते नजर आते हैं। इस बार चर्चित मामले की जांच की जिम्मेदारी अपराध शाखा के नए पुलिस अधीक्षक राजवीर सिंह तोमर को सौंपी गई है। कहानी वहीं से आगे बढ़ती है, जहां पिछली कड़ी समाप्त हुई थी। दूसरी ओर, मीरा देशमुख और उनके पति महेश देशमुख अपने बेटे सैम की मौत को अब तक भुला नहीं पाए हैं। वे केवल कानूनी कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं,

बल्कि अपने तरीके से बदला लेना चाहते हैं। विजय सलगांवकर और देशमुख परिवार के बीच चल रही इस खींचतान ने फिल्म में रहस्य और रोमांच को बनाए रखा है। आयुष्मान खुराना की फिल्म 'उड़ता तीर भी सिनेमाघरों में दर्शकों को आकर्षित कर रही है। रिलीज के आठवें दिन फिल्म ने लगभग 2.85 करोड़ रुपये की कमाई की।

'गनमास्टर जी-9 का नया गाना 'दो दिन की जिंदगी जारी, इमरान और जेनेलिया की दिखी रोमांटिक केमिस्ट्री



अ अभिनेता इमरान हाशमी और अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा की आगामी एक्शन-रोमांचक फिल्म 'गनमास्टर जी-9 का नया गाना 'दो दिन की जिंदगी जारी कर दिया गया है। हिमेश रेशमिया के संगीत से सजे इस गीत को दर्शकों के लिए यूट्यूब पर जारी किया गया है। गाने में इमरान हाशमी और जेनेलिया के किरदारों के बीच प्रेम और भावनाओं को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है। इससे कुछ दिन पहले फिल्म का पहला गाना 'अफसाना बनाया आपने जारी किया गया था, जिसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। अब नए गीत 'दो दिन की जिंदगी के माध्यम से निर्माताओं ने फिल्म के रोमांटिक पक्ष की झलक दिखाई है। हिमेश रेशमिया मेलोडीज के बैनर तले तैयार



इस गाने को विशाल मिश्रा और श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है। इसके बोल जुनैद वसी ने लिखे हैं, जबकि संगीत हिमेश रेशमिया ने तैयार किया है। गीत के दृश्य में इमरान और जेनेलिया के किरदारों के रिश्ते की गहराई और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाया गया है। इसका संगीत प्रेम की कोमलता, सुकून और भावनाओं की तीव्रता का एहसास कराता है। फिल्म 'गनमास्टर जी-9 का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है। यह एक्शन और रोमांच से भरपूर फिल्म है, जो 27 नवंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। दर्शकों को अब फिल्म के प्रदर्शन का इंतजार है।

फिल्म उद्योग में उन्हें हमेशा ग्लैमरस स्टार के रूप में देखा गया: जीनत

बॉ बॉलीवुड में 70 के दशक में दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान ने ऑन-स्क्रीन महिला पात्रों की पारंपरिक परिभाषा को पूरी तरह से बदल दिया था। बॉलीवुड में जीनत अमान अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ-साथ अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज के लिए जानी जाती रही हैं। पर्दे पर ग्लैमरस आइकन के रूप में दिखने वाली जीनत अमान की व्यक्तिगत जिंदगी और उनका स्वभाव इससे पूरी तरह अलग रहा है। हाल ही में अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी इसी सार्वजनिक छवि और अपनी वास्तविक शख्सियत के बीच के अंतर पर खुलकर बात की है और अपने दिल के भाव प्रशंसकों के साथ साझा किए हैं। जीनत अमान ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए एक विस्तृत संदेश लिखा। उन्होंने कहा कि फिल्म उद्योग में उन्हें हमेशा एक ग्लैमरस स्टार के रूप में ही देखा गया। यह एक ऐसी छवि थी जो उस दौर के सिनेमा की मांग के साथ अपने आप जुड़ती चली गई। उन्होंने



इस बात को समझा कि यह इंडस्ट्री का एक हिस्सा था और अपने लंबे करियर में उन्होंने अपने काम को पूरी लगन और निष्ठा के साथ निभाया भी। लेकिन कैमरे की रोशनी से दूर वे एकदम अलग किस्म की इंसान थीं। स्वभाव से वे बेहद शर्मीली, एकांतप्रिय और अपने काम में ही सिमटकर रहने वाली महिला थीं। उनके लिए अपनी निजी जिंदगी की शांति सबसे ज्यादा मायने रखती थी। अपनी जिंदगी के अनुभवों का निचोड़ साझा करते हुए अभिनेत्री ने लिखा कि समय ने उन्हें हमेशा यही सिखाया है कि लोग अक्सर किसी व्यक्ति की असली पहचान देखने के बजाय उसे अपने नजरिए, उम्मीदों और कल्पनाओं के सांचे में ढालकर देखते हैं।

ठंड से बचने के लिए पिएं ये 5 पौष्टिक सूप, इन्हें बनाना भी है आसान

स सर्दियों में शाम के समय ठंड से बचने के लिए कई लोग गर्मा-गर्म सूप का सेवन करना पसंद करते हैं। सूप न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि इनमें मौजूद प्रोटीन शरीर को गर्माहट देने के साथ कई फायदे भी पहुंचा सकते हैं। आइए आज हम आपको 5 पौष्टिक सूप की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन ठंड से बचाने के साथ-साथ शरीर की ताकत बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है।



गाजर का सूप

सबसे पहले गाजर को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। फिर एक पैन में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन भूनें। अब इसमें गाजर, नमक, काली मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर इसे 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके पीस लें। अंत में इस मिश्रण को पैन में दूध और एक चुटकी सोया सॉस के साथ मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में इसे कटोरी में डालकर गर्मा-गर्म परोसें।



सबसे पहले पालक और मूंग दाल को अलग-अलग उबाल लें। फिर एक पैन में पालक, मूंग दाल, लहसुन, अदरक, हरी मिर्च और थोड़ा पानी डालकर मिलाएं। अब इस मिश्रण को ठंडा करके पीसें। इसके बाद इस पेस्ट को पैन में दाल, जीरा, नमक, हल्दी, लाल मिर्च, गरम मसाला और पानी के साथ डालकर अच्छी तरह मिलाएं और इसे 5 मिनट तक पकाएं। अंत में इसे कटोरी में निकालकर गर्मा-गर्म परोसें।

सबसे पहले गाजर, खीरा, टमाटर, प्याज, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक और लहसुन को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर एक पैन में सब्जियां, नमक, काली मिर्च, थोड़ा पानी और थोड़ा तेल डालकर मिलाएं। अब इस मिश्रण को 5 मिनट तक पकाएं और जब सब्जियां नरम हो जाएं तो इसे ठंडा करके पीस लें। अंत में इसे कटोरी में डालकर गर्मा-गर्म परोसें। इसमें आप अपनी पसंद की कोई भी सब्जी शामिल कर सकते हैं। सबसे पहले टमाटर को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। फिर एक पैन में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन भूनें।

अब इसमें टमाटर, नमक, काली मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर इसे 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके पीस लें। अंत में इस मिश्रण को पैन में दूध और एक चुटकी सोया सॉस के साथ मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में इसे कटोरी में डालकर गर्मा-गर्म परोसें। सबसे पहले मशरूम को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। फिर एक पैन में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन भूनें। अब इसमें मशरूम, नमक, काली मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर इसे 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके पीस लें। अंत में इस मिश्रण को पैन में दूध और एक चुटकी सोया सॉस के साथ मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में इसे कटोरी में डालकर गर्मा-गर्म परोसें।

Postage stamp released on the birth centenary of Mata Bhagwati Devi Sharma



New Delhi, Agency; Lo k Sabha Speaker Om Birla and Union Communications Minister Jyotiraditya Scindia on Saturday released a postage stamp in memory of Mata Bhagwati Devi Sharma on the occasion of her birth centenary. The stamp was released at a program organized by the Gayatri Parivar, Haridwar, at the Indira Gandhi Indoor Stadium in Delhi.

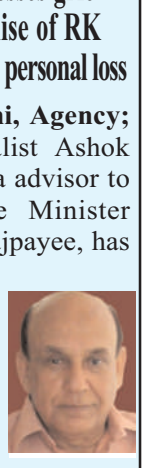
According to the Postal Department, Jyotiraditya Scindia, while paying homage to Mata Bhagwati Devi Sharma, said that her life is a unique example of love, affection, service, and motherhood. She played an important role in spreading Gurudev's spiritual practice and thoughts to the masses. Scindia said that the Gayatri Parivar is not just a spiritual organization, but a continuous journey from individual development to nation-building.

The Union Minister said that the year 2026 marks the confluence of three historic centuries for the Gayatri Parivar. This includes 100 years of lighting of the eternal lamp, the birth centenary of Mata Bhagwati Devi Sharma and 100 years of the beginning of Gurudev's spiritual practice.

He described women empowerment, social harmony and preservation of Indian cultural heritage as important bases for building a developed India. Scindia said that Mata ji's ideals are still inspiring millions of people towards service, compassion and nation building. A large number of Gayatri Parivar devotees from India and abroad, including Dr. Chinmay Pandya, were present in the program.

Senior journalist Ashok Tandon expresses grief over the demise of RK Sinha, calling it a personal loss

New Delhi, Agency; Senior journalist Ashok Tandon, media advisor to former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee, has expressed deep grief over the demise of RK Sinha, a founding member of the BJP and owner of SIS. Describing his death as a personal loss, he said that he always considered him his best friend. In his condolence message, Tandon said, "I am personally saddened by the sad news of the demise of respected Sinha Saheb, a source of inspiration for all of us and a staunch devotee of Mother India. I have always considered him my best friend. I pray to God for the peace of his soul." Expressing his deepest condolences to the bereaved family, he said that may God give all the family members the strength to bear this irreparable loss. Tandon concluded his message with "Om Shanti, Om" and paid heartfelt tribute to the departed soul.



Odisha's Soumyasree Thanapati becomes winner at National Science Seminar-2026

New Delhi, Agency; Soumyasree Thanapati, a student of Odisha Adarsha Vidyalaya in Jharmunda, Odisha, has won the two-day National Science Seminar 2026 held in Delhi. Students from 34 states and union territories participated in the national-level competition held at the National Science Centre in Delhi. Winner Soumyasree was awarded a trophy, a certificate, and a scholarship of Rs 48,000.

On Friday, the first day of the event, the theme of this year's seminar was "Indian Energy Basket 2047: Prospects and Challenges." Students presented their views on important issues such as India's future energy needs, alternative sources of energy, technological innovation, and sustainable energy security. The National Science Seminar has been organized annually since 1982 by the National Council of Science Museums (NCSM), under the



Ministry of Culture, Government of India. Its objective is to develop scientific attitude, critical thinking, and effective communication skills among school students.

Soumyasree Thanapati won first place in the competition, while nine other students were declared runners-up. All runners-up were awarded trophies, certificates, and scholarships worth ?24,000. A total of ?2.64 lakh in scholarships was distributed in the competition.

In addition, Divyanshi Parida from Dadra & Nagar Haveli and Daman & Diu, Sharvari Shridhar Bait from Maharashtra, Sameer Kumar from Bihar, Rishin Gupta from West Bengal, Shrabasti Bhattacharjee from Tripura, Navsirat Kaur from Chandigarh, Swara Paresh Patel from Gujarat, Rubu Daniel from Arunachal Pradesh, and Akshat Kumar Mishra from Haryana were selected by a panel of experts from various educational and scientific institutions Sumant Borthakur, Dr. Sushma M. Giripunje, Dr. Manas Pratim Das, Prof. Pramod Kumar, and Prof. Anil Kumar. The panel members evaluated the students based on their subject knowledge, presentation, scientific understanding, and ideas.

The seminar was inaugurated with the lighting of the lamp. Dr. Anil Kumar Jain, Chairman of the Petroleum and Natural Gas Regulatory Board (PNGRB), attended as the chief guest. Rajnath Ram, Energy Advisor, NITI Aayog, was present as the special guest.

NCSM Director General K.S. Murali said that the National Science Symposium has been promoting scientific curiosity, critical thinking, and communication skills among students for over four decades.

This year's theme provides an opportunity for young people to understand the importance of energy security, technological innovation, and sustainable development.

Vijay Shankar Sharma, Director of the National Science Centre, Delhi, said that this event provides a platform for talented students from across the country to share their views on issues of national importance. It helps students develop an understanding of renewable energy, emerging technologies, and responsible energy consumption.

The closing ceremony of the program was also held on October 30.

Professor Avinash Chandra Pandey, Director of the Inter-University Accelerator Centre (IUAC), New Delhi, was the chief guest, and Ajay Kumar Saxena, Senior Director, Power and Renewable Energy Division, TERI, was the special guest.

The program concluded with a vote of thanks by Moinuddin Ansari, Chief Curator, National Science Centre, Delhi.

143 BGL rounds seized from Naxal dump in Bijapur, Chhattisgarh



Bijapur, Agency; On receiving information about a suspected Naxal dump by unidentified Naxalites of Pamed Area Committee in the hilly terrain about 5 km north-west of Pujari Kanker Camp under Usur police station area in Bijapur, Chhattisgarh, a joint team of 196th Battalion CRPF and Cobra left as per the directions of K. Kabib (IPS), IG Sector Chhattisgarh and under the guidance of B.S. Negi, DIG Ops Range Bijapur. 143 BGL rounds were recovered from a big Naxal dump on Saturday during a search in the forest-hilly area near Pujari Kanker under Usur police station area of ??Bijapur. Bijapur SP Umesh Kumar Gupta has confirmed this.

According to information received from the Usoor police station, a joint team of the 196th battalion CRPF and Cobra, while searching the forests near Pujari Kanker village in the Usoor police station area of ??Bijapur, recovered 143 BGL rounds and one Synthex hidden by unidentified Naxalites of the Pamed Area Committee during this intensive search operation conducted with utmost caution.

Activist Balwinder Singh raises questions about the lack of action in major corruption cases in Jammu and Kashmir

Jammu, Agency; RTI activist Balwinder Singh has raised serious questions about the functioning of the Anti-Corruption Bureau (ACB) and the CBI regarding the investigation and action taken in major corruption cases in Jammu and Kashmir. He alleged that concrete action is not being taken in cases involving alleged corruption worth crores of rupees, while action is visible in smaller cases. Balwinder Singh has demanded immediate amendment to Section 17A of the Prevention of Corruption Act.

He says that this provision is often used to shield officials from investigation, thereby hampering impartial investigations in major corruption cases. Along with Balwinder Singh, social activists Manjit Singh, Rajinder Singh, Jasbir Singh, Satinder Pal Singh, Anil Sharma, Manmohan Singh, and Satinder Singh also raised this issue. He stated that whenever he approaches the Anti-Corruption Bureau with documents and evidence related to alleged corruption involving crores of rupees, investigations are often hampered by citing Section 17A.

Balwinder Singh questioned the purpose of an anti-corruption agency if a serious complaint with documents is presented to it, yet the investigation fails to proceed. He stated that institutions established to take action against corruption should investigate every credible complaint impartially. He demanded the government make the necessary amendments to Section 17A to remove legal obstacles to investigating serious allegations.

He claimed that on January 27, 2026, he approached the Superintendent of Police of the CBI's Anti-Corruption Branch in Jammu, requesting the registration of an FIR and a thorough investigation into alleged irregularities related to government procurement. However, he alleges that his complaint was dismissed without any clear reason or written order. He also claimed that when he sought clarification, he was advised to file a trap case.

Balwinder Singh questioned whether the fight against corruption is now limited to cases where people are caught red-handed accepting bribes.

He argued that if documents exist regarding alleged irregularities worth crores of rupees in government procurement, they should also be seriously investigated. According to him, anti-corruption agencies should adopt a uniform and transparent process for different types of corruption cases.

Balwinder Singh said that closing a citizen's documented complaint without a clear reason raises questions about the transparency and accountability of the investigation process.

One Country, One Election' will strengthen regional parties and the federal structure: P. P. Chaudhary

New Delhi, Agency; P. P. Chaudhary, Chairman of the Joint Parliam entary Committee on 'One Country, One Election', told the media at his Delhi residence that the system of holding simultaneous elections can strengthen regional parties, the federal structure and the basic structure of the Constitution. He said that in the committee's meeting held in Delhi on October 30, leading political experts and economists of the



country presented their views on the political and economic aspects of this issue.

Swaminathan Gurum urthy, Professor Mahendra Dev, Professor Pami Dua and Dr. Shamika Ravi gave their suggestions in this meeting. Of these, Professor Mahendra Dev, Professor Pami Dua and Dr. Shamika Ravi are also members of the Prime Minister's Economic Advisory Council.

According to P.P. Chaudhary, during the discussion, the question arose as to whether holding Lok Sabha and Assembly elections simultaneously could diminish the importance of regional parties or impact the federal system and the basic structure of the Cons titution. However, experts present at the meeting held a contrary opinion. They believed that holding simultaneous elections could promote regional parties and the federal structure. To support their views, experts cited electoral history from 1967 to 2024.

They analyzed the elections of 1967, 1971, 1977, 1980, 1984, and 1989, as well as the coalition government era from 1989 to 2014, and the elections of 2014, 2019, and 2024.

JP Nadda administered the National Unity Day oath to officials and employees



New Delhi, Agency; Union Health and Family Welfare Minister JP Nadda administered the National Unity Day oath to officials and employees of the Ministry of Health and Family Welfare and the Ministry of Chemicals and Fertilizers at Kartavya Bhawan-1 in New Delhi on Saturday. The event was held to mark the birth anniversary of Iron Man Sardar Vallabhbhai Patel.

On this occasion, officials and employees reiterated their commitment to maintaining the unity, integrity, and security of the nation.

\Sardar Vallabhbhai Patel played a key role in strengthening the unity and integrity of the country.

His legacy continues to inspire nation-building and national solidarity.

The program was attended by Punya Salila Srivastava, Secretary, Department of Health and Family Welfare, Rajat Kumar Mishra, Secretary, Depar tment of Fertilizers, Ministry of Chemicals and Fertilizers, and Tejveer Singh, Secretary, Department of Chemicals and Petrochemicals.

Vice President and Prime Minister congratulate ISRO team for successful launch of GSLV-F18 mission

New Delhi, Agency; Vice President CP Radhakrishnan, Prime Minister Narendra Modi and Defence Minister Rajnath Singh on Saturday congratulated the ISRO team for the successful launch of the GSLV-F18 mission.

The Vice President wrote on X, "The GSLV-F18 mission has placed the NVS-03 navigation satellite in its designated orbit. This achievement strengthens India's indigenous 'NavIC' navigation system, enhances our satellite-based navigation capabilities and demonstrates the country's growing capabilities in space technology and self-reliance. Best wishes to the ISRO team for achieving many more milestones in India's space journey."

Prime Minister Modi said that this mission is an important step towards strengthening the indigenous satellite navigation system, 'NavIC'. Equipped with superior capabilities, NVS-03 will further our efforts to become self-reliant in critical technologies and provide navigation services that will benefit the people of the



country. The dedication and ingenuity of India's space scientists continue to make the country proud.

Rajnath Singh said that this achievement advances the country's capabilities in strategic and critical technologies. It reflects the vision of a 'Self-reliant India' driven by innovation and technological self-reliance. The success of this mission is another testament to the dedication, ingenuity, and commitment of India's scientists and engineers.

Union Minister for Road Transport and Highways Nitin Gadkari said that this achievement marks another important milestone in strengthening India's indigenous 'NavIC' navigation system, advancing technological self-reliance, and improving navigation capabilities. The extraordinary dedication, innovation, and scientific excellence of the space community continue to elevate India's global standing and inspire generations to come.

Meanwhile, on Friday, Union Minister for Technology and Engineering, Dr. Jitendra Singh, said that this remarkable achievement reflects India's growing capabilities in space technology and everyone's determination to strengthen its indigenous navigation capabilities. With the revolutionary reforms undertaken by Prime Minister Modi in the space sector in recent years, India's success stories in space embody the dreams of the country's founding fathers, Vikram Sarabhai and Satish Dhawan. Today is a day to celebrate another proud moment for India.

It is noteworthy that yesterday (Friday), the Indian Space Research Organization (ISRO) successfully launched the third-generation navigation satellite NVS-03 from the Satish Dhawan Space Center in Sriharikota.